राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. (UHIN/2009/34814) (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार , 03 सितम्बर 2025

वर्ष 16, अंक 53, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

निजी अस्पताल में इलाज करा रहे मरीज..03

चार दिन से लापता हुए युवक का बानगंगा नदी में मिला शव, मचा हड़कंप....04

ट्रंप टैरिफ विवाद के बीच चीन में शी जिनपिंग और पुतिन के साथ अहम बैठक करेंगे पीएम मोदी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। बता दें यह उनकी सात वर्षों में पहली चीन यात्रा होगी। इससे पहले पीएम मोदी साल 2018 में चीन के वुहान में शी जिनपिंग से अनौपचारिक बैठक कर चुके हैं। इस बार की मुलाकात खासतौर पर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह ऐसे समय में हो रही है जब भारत अमेरिका के साथ आर्थिक और कूटनीतिक चुनौतियों का सामना कर रहा है।

अमेरिकी टैरिफ और आर्थिक दबाव

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारत के प्रमुख निर्यात उत्पादों जैसे इस्पात, कपड़ा और कृषि उत्पादों पर भारी टैरिफ बढ़ा दिया है। कई मामलों में ये शुल्क 50 प्रतिशत तक पहुंच गए हैं। इस टैरिफ वृद्धि से भारत के निर्यातकों को काफी नुकसान हो रहा है। भारत ने विश्व व्यापार

संगठन (WTO) में इस मामले पर चर्चा की है और जवाबी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। साथ ही अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर पर भी दबाव बढ़ाया है बता दें जिनमें भारत भी शामिल है। यूक्रेन युद्ध के कारण पश्चिमी देशों ने रूस पर कई प्रतिबंध लगाए हैं, पर भारत ने अभी तक रूस से तेल खरीदना बंद नहीं किया है। इससे अमेरिका-भारत संबंधों में तनाव बढ़ा है।

चीन के साथ धीरे-धीरे सुधरते रिश्ते

भारत और चीन के बीच हाल के वर्षों में काफी तनाव रहा है, खासकर जून 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद भी तनाव रहा। लेकिन अब दोनों देशों ने शांति कायम रखने के लिए सैन्य और कूटनीतिक बातचीत की शुरू की है। हालांकि वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर भारी सैनिक तैनाती अभी भी बनी हुई है, दोनों सरकारें तनाव कम करने की कोशिश कर रही हैं। यह बैठक इस बात का संकेत है कि भारत-चीन संबंधों में अब धीरे-धीरे सुधार की दिशा में कदम बढ़ रहे हैं।

रूस के साथ गहरे रिश्तों की पुष्टि

रूस यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद भारत के साथ अपने पारंपरिक साझेदारी को मजबूत करने में लगा है। पुतिन और मोदी की बैठक में यह भी चर्चा हो सकती है कि कैसे भारत, रूस और चीन के बीच त्रिपक्षीय बातचीत को आगे बढ़ाया जाए। मॉस्को के लिए भारत एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है और वे इस साझेदारी को और गहरा करना चाहते हैं। यह बैठक दोनों देशों के बीच आर्थिक, रक्षा और कूटनीतिक सहयोग के लिए भी महत्वपूर्ण होगी।

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) क्या है?

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में लगभग 20 देश शामिल हैं, जिनमें मध्य एशिया, दक्षिण एशिया, मध्य पूर्व और दक्षिण पूर्व एशिया के देश प्रमुख हैं। यह संगठन क्षेत्रीय सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और राजनीतिक संवाद के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। चीन इस सम्मेलन को वैश्विक दक्षिण के देशों के बीच अपनी नेतृत्व क्षमता दिखाने और रूस को कूटनीतिक समर्थन देने का अवसर मानता है। वहीं भारत के लिए यह मंच अपनी बहुपक्षीय नीति को मजबूत करने और बदलते वैश्विक राजनीतिक परिदृश्यों में खुद को एक संतुलनकारी शक्ति के रूप में स्थापित करने का महत्वपूर्ण जरिया है। इन सभी बैठकों और चर्चाओं के बीच भारत अपनी विदेश नीति में संतुलन बनाना चाहता है। अमेरिका के साथ आर्थिक तनाव के बावजूद, भारत ने अपनी स्वतंत्र विदेश नीति बनाए रखने का संकेत दिया है। चीन और रूस के साथ बेहतर संबंध बनाने की कोशिश से भारत क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक कूटनीति में अपनी भूमिका मजबूत करना चाहता है। यह बैठकें भारत के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश तय करेंगी कि भविष्य में कैसे वह बड़े वैश्विक शक्तियों के बीच अपने हितों को संतुलित कर सके।

'हिंदू दर्शन यह नहीं कहता कि इस्लाम नहीं रहेगा', मोहन भागवत बोले- संघ किसी पर हमले में विश्वास नहीं रखता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत में इस्लाम का हमेशा एक स्थान रहेगा। उन्होंने हिंदुओं और मुसलमानों के बीच आपसी विश्वास बनाए रखने की पुरज़ोर वकालत की। आरएसएस के शताब्दी समारोह के अवसर पर आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र में भागवत ने कहा कि संघ किसी पर भी, धार्मिक आधार पर भी, हमला करने में विश्वास नहीं रखता है और केरल बाढ़ और गुजरात भूकंप जैसी आपदाओं के दौरान हमेशा सभी की मदद के लिए आगे आया है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि उनका मानना ??है कि धर्म व्यक्तिगत पसंद का मामला है और इस मामले में किसी भी तरह का प्रलोभन या ज़ोर-ज़बरदस्ती नहीं होनी चाहिए। भागवत ने पूछा, "हिंदू और मुसलमान एक ही हैं... इसलिए उनके बीच एकता को लेकर कोई सवाल ही नहीं है; सिर्फ उनकी पूजा पद्धति बदल गई है। हम पहले से ही एक हैं। एकजुट करने वाली बात कहां से आई? बदला ही क्या है? सिर्फ़ पूजा पद्धति बदल गई है; क्या इससे वाकई कोई फ़र्क़ पड़ता है?" उन्होंने कहा कि इस्लाम पुरातन काल से भारत में रहा है और आज तक कायम है, और भविष्य में भी रहेगा। भागवत ने कहा, "यह विचार कि इस्लाम नहीं रहेगा, हिंदू दर्शन नहीं है। हिंदू और मुसलमान दोनों को एक-दूसरे पर परस्पर विश्वास रखने की ज़रूरत है।"

भागवत ने यह भी कहा कि सड़कों और जगहों का नाम ध्आक्रांताओं 'के नाम पर नहीं रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, "उनका नाम आक्रांताओं के नाम पर नहीं रखा जाना चाहिए। मैंने यह नहीं कहा कि मुस्लिम नाम नहीं होना चाहिए। एपीजे अब्दुल कलाम, अब्दुल हमीद का नाम वहां होना चाहिए।" आरएसएस प्रमुख ने देश में जनसांख्यिकीय असंतुलन के प्रमुख कारणों के रूप में धर्मांतरण और अवैध प्रवासन का हवाला दिया और कहा कि सरकार घुसपैठ को रोकने की कोशिश कर रही है और समाज से भी अपनी भूमिका निभानी होगी। भागवत ने कहा कि नौकरियां अवैध प्रवासियों को नहीं, बल्कि ''हमारे लोगों को मिलनी चाहिए जिनमें मुसलमान भी हैं।" भागवत ने कहा कि वह इस तर्क से सहमत हैं कि बांग्लादेश और भारत के लोगों का ङीएनए 'एक जैसा है, लेकिन हर देश के अपने नियम-कानून होते हैं और प्रवास के इच्छुक लोगों को इन नियमों का पालन करना चाहिए। भागवत ने उन आरोपों को भी खारिज कर दिया कि आरएसएस हिंसा में शामिल रहा है। उन्होंने कहा, "हिंसा में लिप्त कोई भी संगठन भारत में 75 लाख जगहों तक नहीं पहुंच सकता या इतना समर्थन हासिल नहीं कर सकता। अगर हम ऐसे होते, तो क्या हम ऐसे कार्यक्रम आयोजित करते? हम कहीं भूमिगत होते।"

संक्षिप्त ख़बरें

'यूपी में 1 करोड़ वोट काटने की तैयारी', आप सासंद संजय सिंह का भाजपा पर बड़ा आरोप

उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा का चुनाव होगा इससे पहले पंचायत चुनाव होने वाली है। इसके लिए अभी से सभी पार्टियां तैयारी में जुट गई हैं। इसी बीच SIR की आंधी अब यूपी में भी घुस रही है। दरअसल, आम आदमी पार्टी (AAP) के सांसद संजय सिंह ने आरोप लगाया है कि उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव से पहले लगभग 1 करोड़ वोट काटे जा सकते हैं। आपको बता दें कि उन्होंने कहा कि भाजपा जनता के बीच अपना आधार खो चुकी है और अब वोट चोरी के जरिए चुनाव जीतना चाहती है। संजय सिंह ने एक्स पर लिखा कि "पंचायत चुनाव से पहले यूपी में SIR का भूत आ रहा"। यह मुद्दा अब यूपी में बहस का विषय बन गया है। हालांकि, इस आरोप पर भाजपा की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। यह देखना दिलचस्प होगा कि आगामी पंचायत चुनावों में यह मुद्दा कितना गरमाता है और इसका राजनीतिक परिणाम क्या होगा।

पंजाब में बाढ़ के बीच BJP का बड़ा कदम, पीड़ितों की मदद के लिए लिया अहम फैसला

चंडीगढ़- पंजाब में बाढ़ की गंभीर स्थिति को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पंजाब ने राहत कार्यों को तेज़ करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। पार्टी ने विभिन्न जिलों के लिए प्रदेश स्तरीय नेताओं को जिला इंचार्ज नियुक्त किया है, जो प्रभावित क्षेत्रों में जाकर राहत कार्यों की निगरानी करेंगे। पार्टी द्वारा जारी सूची के अनुसार कपूरथला जिले की जिम्मेदारी पूर्व केंद्रीय मंत्री सोम प्रकाश को सौंपी गई है। तरणतारन के लिए पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्वेत मलिक, फाज़िलका में सुरजीत कुमार जियानी, ठानकोट में दिनेश बब्बू, फिरोजपुर में राणा गुरमीत सिंह सोढ़ी, अमृतसर ग्रामीण के लिए मनजीत सिंह माना, और गुरदासपुर की जिम्मेदारी रवि करण सिंह काहलोन को दी गई है। ये सभी नेता न केवल बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे, बल्कि लोगों की जरूरतों के बारे में पार्टी उच्च कमान को भी जानकारी देंगे, ताकि राहत सामग्री की पहुंच जल्द से जल्द सुनिश्चित की जा सके। पार्टी नेताओं ने पहले भी पिछले कुछ दिनों से प्रभावित इलाकों का दौरा किया है, लेकिन अब विशेष रूप से प्रत्येक जिले के लिए इंचार्ज नियुक्त करने से राहत कार्य और अधिक सुव्यवस्थित होंगे। भाजपा ने दावा किया है कि वह बाढ़ प्रभावित लोगों की हर संभव मदद के लिए प्रतिबद्ध है और सभी नेताओं को राहत कार्यों को और मजबूत बनाने का निर्देश दिया गया है।

छोटी सी परचून की दुकान, IT ने भेजा 141 करोड़ रुपये का नोटिस, देखकर दुकानदार के उड़ गए होश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बुलंदशहर- यूपी के बुलंदशहर जिले के खुर्जा इलाके के रहने वाले एक परचून दुकानदार को आयकर विभाग ने 141 करोड़ रूपये से ज्यादा की कथित बिक्री करने पर नोटिस जारी किया है। पुलिस ने बताया कि संबंधित दुकानदार की तहरीर पर मामला पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी गई है।

पीड़ित ने लगाया ये आरोप

पीड़ित व्यापारी सुधीर ने आरोप लगाया है कि उनके पैन कार्ड का दुरुपयोग करके दिल्ली में छह कंपनियां बनाकर यह हेराफेरी की गई है। खुर्जा के नयागंज मोहल्ले के निवासी सुधीर ने बताया कि वह घर पर ही

एक छोटी सी परचून की दुकान चलाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि उनके स्थायी खाता संख्या (पैन) का दुरुपयोग करके साल 2022 में दिल्ली के अलग-अलग पतों पर छह कंपनियां खोली गईं, जिस पर उन्हें उस समय नोटिस भेजा गया था। तब उन्होंने नोटिस का जवाब दे दिया था, लेकिन अब दस जुलाई को फिर से आयकर विभाग द्वारा उन्हें एक अरब 41 करोड़ 38 लाख 47 हजार 126 रुपये की कथित बिक्री पर नोटिस भेजा गया है।

पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज

खुर्जा कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक पंकज राय ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि पैन (स्थायी खाता संख्या) कार्ड धोखाधड़ी तब होती है जब कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति के पैन विवरण का अवैध रूप से बैंक खाते खोलने, फर्जी कंपनियाँ बनाने, ऋण प्राप्त करने या कर चोरी करने के लिए उपयोग करता है। पीड़ितों को अक्सर अप्रत्याशित कर नोटिस या वसूली कॉल प्राप्त होने के बाद ही धोखाधड़ी का पता चलता है।

राजनाथ सिंह बोले- भारत रक्षा क्षेत्र में विदेशी आपूर्ति पर निर्भर नहीं रह सकता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि रक्षा क्षेत्र में भारत के लिए आत्मनिर्भर होना बेहद आवश्यक है और इसके लिए देश किसी विदेशी आपूर्ति पर निर्भर नहीं रह सकता। उन्होंने कहा कि सरकार प्रस्तावित हवाई सुरक्षा प्रणाली "सुदर्शन चक्र" के तहत अगले 10 वर्षों में देशभर के सभी महत्वपूर्ण स्थलों को पूरी तरह हवाई सुरक्षा प्रदान करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि एक ऐसी सुरक्षा प्रणाली तैयार की जा रही है, जो दुश्मन के किसी भी हमले से बचाव करने और उसका जवाब देने, दोनों में सक्षम होगी। उन्होंने कहा, ÷जैसा कि हमने "ऑपरेशन सिंदूर" के दौरान देखा, आज की लड़ाइयों में हवाई सुरक्षा की अहमियत बहुत बढ़ गई है। ऐसे में "सुदर्शन चक्र मिशन" एक बड़ा बदलाव

लाने वाला साबित होगा।" प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में इस महत्वाकांक्षी हवाई रक्षा परियोजना की घोषणा की थी। यह घोषणा पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर द्वारा भविष्य में दोनों देशों के बीच किसी भी सैन्य टकराव की स्थिति में सीमा पर भारतीय संपत्तियों को निशाना बनाने के कथित संकेतों के कुछ दिन बाद हुई थी।

राजनाथ सिंह ने कहा कि बदलते वैश्विक हालात ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब रक्षा क्षेत्र में बाहरी देशों पर निर्भर रहना कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा, "आज की स्थिति में आत्मनिर्भरता हमारी अर्थव्यवस्था और सुरक्षा दोनों के लिए आवश्यक है।" रक्षा मंत्री ने कहा, "आज रक्षा क्षेत्र केवल राष्ट्रीय सुरक्षा की नींव नहीं है, बल्कि यह हमारी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और उसके भविष्य को सुरक्षित करने का एक प्रमुख आधार भी बन गया है।" उन्होंने कहा, "यह केवल लोगों की सुरक्षा, जमीन की हिफाजत या सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे पूरे आर्थिक ढांचे की सुरक्षा और स्थिरता की जिम्मेदारी भी निभा रहा है।" रक्षा मंत्री ने यह स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भरता और स्वदेशीकरण को संरक्षणवाद के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, "एक्ष क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का संबंध संरक्षणवाद से नहीं है, बल्कि यह हमारी संप्रभुता, राष्ट्रीय स्वायत्तता और आत्मविश्वास का मुद्दा है।"

भाजपा ने चुनावों को मजाक बना दिया, स्च स्टालिन बोले- जनता सत्ता से हटा देगी, क्योंकि उसने वोट चुराए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर चुनावों को "मजाक" बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोग उसे सत्ता से हटा देंगे, क्योंकि उसने "वोट चुराए" हैं। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता स्टालिन ने आरोप लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान बिहार की मतदाता सूची से 65 लाख मतदाताओं के नाम हटाना "आतंकवाद से भी अधिक खतरनाक" है। उन्होंने कहा, "कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के तेजस्वी यादव ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए हाथ मिलाया है। बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव

में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की हार होगी।"

राहुल गांधी ने निर्वाचन आयोग को बेनकाब कर दिया- स्टालिन

भाजपा पर निर्वाचन चुनाव आयोग को अपनी "कठपुतली" बनाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, "राहुल गांधी ने निर्वाचन आयोग को बेनकाब कर दिया है, लेकिन निर्वाचन आयोग ने उनके आरोपों का जवाब नहीं दिया। आयोग ने उनसे हलफनामा दाखिल करने को कहा... राहुल गांधी डरेंगे नहीं।"

लालू प्रसाद जी की धरती आंखों में आग लिए हुए मेरा स्वागत करती है

इससे पहले, स्टालिन और द्रमुक सांसद कनिमोई मुजफ्फरपुर जिले में कांग्रेस की 'वोटर अधिकार यात्रा' में शामिल होने के लिए बिहार पहुंचे। यात्रा में शामिल होने के तुरंत बाद, स्टालिन ने एक्स' पर पोस्ट किया, "..बिहार...आदरणीय लालू प्रसाद जी की धरती आंखों में आग लिए हुए मेरा स्वागत करती है, हर चुराए हुए वोट से बोझिल धरती। मेरे भाई राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और बहन प्रियंका गांधी वाद्रा के साथ 'वोटर अधिकार यात्रा' में शामिल हुआ, जो लोगों के दर्द को अजेय ताकत में बदल रही है।"

दाता जी! हुण मेहर करो... शायद यही पुकार कर रहे हैं बाढ़ प्रभावित लोग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बटाला - 'दाता जी! हुण मेहर करो...' शायद यही पुकार कर रहे हैं बाढ़ प्रभावित गांवों के लोग। जी हां! आज हम बात करने जा रहे हैं रावी नदी से सटे अंतर्राष्ट्रीय भारत-पाक सीमा पर स्थित कस्बा रामदास के अंतर्गत आने वाले सीमावर्ती गांवों की, जहां लगातार हो रही भारी बारिश और नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर उठने के कारण बड़ी संख्या में गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं।

इसी के चलते पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के अन्य राजनेता प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर मीडिया के सामने बाढ़ पीड़ितों को आवश्यक मदद मुहैया करवाने की राग अलापते सहज ही नजर आ रहे हैं। इसके अलावा जिलाधीश अमृतसर साक्षी एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल की ओर से बाढ़ पीड़ितों की मदद हेतु आगे आते हुए राहत सामग्री व खाने पीने की वस्तुओं सहित अन्य समान मुहैया करवाने में कोई कमी नहीं छोड़ी जा रही।

किन्तु अभी भी कई ऐसे बाढ़ प्रभावित गांव हैं, जहां रहने वाले लोगों तक कोई भी बुनियादी सुविधाएं नहीं पहुंच पाई हैं, जिसके कारण बिजली गुल होने के साथ-साथ बाढ़ पीड़ितों को भोजन, पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी का भी सामना करना पड़ रहा है क्योंकि बाढ़ ने गांवों के लोगों पर इस कदर कहर ढाया है कि गांवों की हालत देखकर आम आदमी की आंखों से आंसू निकल आते हैं, गांवों में रहने वाले परिवारों के छोटे-छोटे बच्चे भूखमरी का शिकार हो गए हैं जबकि मौजूदा सरकारों ने हालात की पहले से जानकारी होने के बावजूद भी गाँवों को बाढ़ से बचाने के लिए कोई ठोस प्रबंध नहीं किए, जिसके कारण आज पूरे पंजाब में ऐसे हालात पैदा हो गए हैं।

वहीं, अगर इसे मौजूदा सरकारों की कथित लापरवाही का नतीजा कहा जाए तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। हालांकि आज समाजसेवी संस्थाओं के साथ-साथ शिरोमणि कमेटी भी बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आ रही है और लंगर, पानी और नाव आदि सहित हर संभव सहायता प्रदान करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है, लेकिन मौजूदा सरकार के प्रबंध बेअसर ही नजर आ रहे हैं।

जब पत्रकारों की टीम ने रमदास कस्बे के आस-पास के सीमावर्ती गांवों का दौरा किया तो कई लोगों ने बताया कि हालांकि आम जनता द्वारा उनके लिए रोजाना लंगर और पीने का पानी पहुंचाया जा रहा है, लेकिन यहां पर दवाइयों की भारी कमी होने के चलते भविष्य में स्किन या अन्य किसी प्रकार की भयानक बीमारियां फैलने के खदसा पैदा हो सकता। इसलिए सरकार को चाहिए कि जल्द से जल्द हमारे बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए बड़े पैमाने पर दवाइयों का प्रबंध किया जाए ताकि लोगों को भयानक बीमारियों से बचाया जा सके।

जुगाड़ आयोग 18 हजार एफिडेविट पर खामोश क्यों- अखिलेश यादव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ- कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा वोट चोरी का आरोप लगाए जाने के बाद विपक्ष लगातार हमलावर है। इस बीच समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक बार फिर चुनाव आयोग पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि एआई से घपला पकड़ने वाला जुगाड़ आयोग 18 हजार एफ़डिविट पर खामोश क्यों है।

अखिलेश ने साधा निशाना

अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए अखिलेश यादव ने कहा "जब जुगाड़ आयोग एआई से सवा करोड़ का अपना

घपला पकड़ सकता है तो फिर हमारे द्वारा दिये गए 18000 में से केवल 14 एफिडेविट का जवाब देने के बाद बचे 17986 एफ़िडेविट्स का क्यों नहीं।"

भाजपा जाए तो शिक्षा आए- अखिलेश यादव

एक अन्य पोस्ट में सपा प्रमुख ने कहा, "भाजपा ने जब से विश्वविद्यालयों का संगी-साथीकरण 'किया है। तब से विश्वविद्यालय प्रशासन की भेदकारी व पक्षपाती राजनीति का छात्रों की पढ़ाई और उनके जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। भाजपा जाए तो शिक्षा आए।" गौरतलब है कि अखिलेश यादव ने इसके पहले आयोग को घेरते हुए 4 मामलों में डीएम द्वारा दिए गए जवाबों को आधा-अधूरा बताया और शेष मामलों पर हिसाब देने की मांग की। इस मुद्दे को लेकर कठघरे में आयोग खड़ा करने का कोई मौका अखिलेश यादव नहीं छोड़ना चाहते हैं। बिहार में कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा में शामिल होने समाजवादी पार्टी के मुखिया आरा पहुंचे।

बार-बार पाकिस्तान जाने वाले नहीं कर सकते असम का नेतृत्व, अमित शाह ने बोला हमला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि असम का नेतृत्व ऐसे लोग नहीं कर सकते जो बार-बार पाकिस्तान जाते हैं। अमित शाह ने स्पष्ट तौर पर यह बात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई के पाकिस्तान के साथ कथित संबंधों की ओर इशारा करते हुए कही। केंद्रीय गृह मंत्री ने पंचायत प्रतिनिधियों की आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए अगले साल मार्च-अप्रैल में होने वाले असम विधानसभा चुनाव के लिए 'युद्ध का बिगुल' फूंका। उन्होंने कहा कि राज्य का प्रतिनिधित्व ऐसे नेता नहीं कर सकते जो घुसपैठियों और अतिक्रमणकारियों के प्रति सहानुभूति रखते हों। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश भर में अनेक विकास कार्य किए हैं और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने उस विकास को राज्य के घर-घर तक पहुंचाया है। इन कार्यों की बदौलत, भाजपा के नेतृत्व वाला राजग अगले साल लगातार तीसरी बार असम में सरकार बनाएगा।" विपक्षी कांग्रेस की आलोचना करते हुए शाह ने कहा कि असम का प्रतिनिधित्व घुसपैठियों के प्रति सहानुभूति रखने वाले और अतिक्रमण को बढ़ावा देने वाले लोग नहीं कर सकते। गौरव गोगोई के संदर्भ में अमित शाह ने कहा, "असम का नेतृत्व ऐसे लोग नहीं कर सकते, जो अकसर पाकिस्तान जाते हैं।" असम के मुख्यमंत्री और भाजपा लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गोगोई पर उनकी पत्नी के पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से कथित संबंधों को लेकर हमला बोलते रहे हैं।

सच्ची प्रगति तब, जब तकनीक तोड़े जातिगत दीवारें

तकनीक की उड़ान, मगर समाज की बेड़ियाँ कायम

डिजिटल इंडिया का सपना भारत को एक नई पहचान दे रहा है। स्मार्ट सिटी, स्टार्टअप इंडिया, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की चकाचौंध में देश की तस्वीर चमकती दिखाई देती है। यह दावा किया जाता है कि इंटरनेट ने हर वर्ग, हर समुदाय को समान अवसरों का मंच दे दिया है। लेकिन इस चमकती सतह के नीचे एक कड़वी सच्चाई छिपी है—जातिगत असमानता की जड़ें आज भी उतनी ही गहरी हैं, जितनी सदियों पहले थीं। तकनीक ने हमें वैश्विक मंच पर लाकर खड़ा किया, लेकिन सामाजिक दीवारें, जो जाति के नाम पर खड़ी हैं, आज भी अडिग हैं। डिजिटल क्रांति ने अवसरों का वादा तो किया, लेकिन यह वादा हाशिये पर मौजूद समुदायों तक पूरी तरह नहीं पहुँच पाया। यह एक विडंबना है कि जिस तकनीक को समानता का हथियार माना गया, वही कई बार असमानता की खाई को और चौड़ा कर देती है। जाति भारत में केवल एक सामाजिक पहचान नहीं है; यह अवसरों, शिक्षा, रोजगार, और सामाजिक सम्मान का आधार रही है। गाँवों की गलियों से लेकर शहरों के कॉरपोरेट दफ्तरों तक, जातिगत भेदभाव हर जगह अपनी छाप छोड़ता है। डिजिटल इंडिया के दौर में उम्मीद थी कि इंटरनेट और तकनीक इस विभाजन को कम करेंगे। लेकिन वास्तविकता इससे उलट है। सोशल मीडिया पर जातिगत टिप्पणियाँ, ऑनलाइन शिक्षा में असमान पहुँच, और डिजिटल अर्थव्यवस्था में अवसरों की कमी ने दिखाया कि तकनीक अपने आप सामाजिक समानता नहीं ला सकती। अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदायों के बीच डिजिटल साक्षरता और इंटरनेट की पहुँच अभी भी सीमित है। इसका कारण केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और संरचनात्मक भी है। ग्रामीण भारत में इंटरनेट की उपलब्धता बढ़ी है, लेकिन इसका लाभ असमान रूप से बँटा है। जहाँ उच्च जाति के परिवारों के पास स्मार्टफोन, डेटा पैक, और डिजिटल उपकरणों की सुविधा है, वहीं दलित और आदिवासी समुदायों के लिए यह अभी भी एक दूर का सपना है। एक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में केवल 25% दलित परिवारों के पास स्मार्टफोन है, जबकि उच्च जाति के परिवारों में यह आँकड़ा 60% से अधिक है। इस डिजिटल डिवाइड का सबसे बड़ा असर शिक्षा पर पड़ा है।

कोविड-19 महामारी के दौरान जब स्कूल बंद हुए और शिक्षा ऑनलाइन हुई, तब लाखों दलित और पिछड़े वर्ग के बच्चे शिक्षा से वंचित रह गए। उनके पास न तो स्मार्टफोन थे, न ही इंटरनेट, और न ही ऑनलाइन कक्षाओं को समझने की बुनियादी सुविधाएँ। यह असमानता केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक संरचना की देन है, जो जाति के आधार पर अवसरों को सीमित करती है। सरकारी योजनाएँ, जो डिजिटल इंडिया के माध्यम से लागू की जा रही हैं, भी इस असमानता से अछूती नहीं हैं। आधार कार्ड और डिजिटल बैंकिंग को अनिवार्य करने का दावा है कि इससे योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थी तक पहुँचेगा। लेकिन हकीकत में, कई दलित और आदिवासी परिवारों के पास न तो आधार कार्ड है, न ही बैंक खाते, और न ही डिजिटल लेन-देन की समझ। नतीजा यह है कि वे सरकारी योजनाओं से वंचित रह जाते हैं। उदाहरण के लिए, कई ग्रामीण क्षेत्रों में दलित समुदायों को डिजिटल राशन कार्ड या ऑनलाइन सब्सिडी के लिए जटिल प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है, जिनमें उनकी पहुँच और शिक्षा की कमी आड़े आती है। यहाँ जाति और आर्थिक स्थिति मिलकर एक ऐसी दीवार खड़ी करती है, जो डिजिटल इंडिया के सपने को अधूरा छोड़ देती है। डिजिटल नौकरी बाज़ार में भी यही असमानता दिखती है। तकनीकी कौशल, अंग्रेजी भाषा का ज्ञान, और नेटवर्किंग की कमी के कारण हाशिये के समुदाय डिजिटल अर्थव्यवस्था में पीछे रह जाते हैं। शहरों में उच्चवर्गीय परिवार अपने बच्चों को कोडिंग, डेटा साइंस, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे कौशलों की ट्रेनिंग दे रहे हैं, जबकि ग्रामीण और दलित परिवारों के बच्चे बुनियादी डिजिटल साक्षरता से भी वंचित हैं।

एक अध्ययन के अनुसार, भारत की टेक इंडस्ट्री में केवल 10% कर्मचारी अनुसूचित जाति या जनजाति से आते हैं, जबकि उनकी आबादी देश की कुल आबादी का लगभग 25% है। यह असमानता न केवल आर्थिक है, बल्कि सामाजिक संरचनाओं का भी परिणाम है, जो अवसरों को कुछ वर्गों तक सीमित रखती हैं। ऑनलाइन दुनिया में भी जातिगत पूर्वाग्रह खत्म नहीं हुए हैं। मैट्रिमोनियल साइट्स और डेटिंग ऐप्स पर जाति की पूछताछ आम बात है। नौकरी के लिए ऑनलाइन प्रोफाइल देखकर उम्मीदवार की जाति का अनुमान लगाया जाता है। सोशल मीडिया पर दलित और पिछड़े वर्ग के युवाओं को उनकी उपलब्धियों के बावजूद "कोटा" जैसे शब्दों से अपमानित किया जाता है। यह दिखाता है कि तकनीक ने भले ही संचार के नए रास्ते खोले हों, लेकिन सामाजिक सोच को बदलने में वह नाकाम रही है।

डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर भी वही पुरानी सत्ता संरचनाएँ हावी हैं, जो समाज में पहले से मौजूद थीं। इसके बावजूद, डिजिटल इंडिया ने हाशिये की आवाज़ों को एक मंच जरूर दिया है। दलित यूट्यूबर्स, बहुजन ब्लॉगर्स, और आदिवासी लेखक अपनी कहानियाँ और विचार दुनिया तक पहुँचा रहे हैं। सोशल मीडिया ने उन्हें वह आवाज़ दी है, जो पहले मुख्यधारा के मीडिया में दबा दी जाती थी। लेकिन यह बदलाव व्यक्तिगत स्तर पर है। व्यापक स्तर पर, जातिगत असमानता की दीवारें अभी भी मजबूत हैं। जब दलित या आदिवासी एक्टिविस्ट अपनी बात रखते हैं, तो उन्हें ऑनलाइन ट्रोलिंग,का सामना करना पड़ता है।

प्रो. आरके जैन

संपादकीय

हिंदुस्तानी गजल से मशहूर हुए दुष्यंत कुमार

हिंदी साहित्यकार -गजलकार दुष्यंत कुमार हिंदी गजल के लिए जाने जाते हैं। वे हिंदी गजल के लिए विख्यात है किंतु उन्हें यह ख्याति हिंदी गजलों के लिए नहीं , हिंदुस्तानी गजलों के लिए मिली। संसद से सड़क तब मशहूर हुए उनके शेर हिंदुस्तानी हिंदी में हैं। हिंदुस्तानी हिंदी में उन्होंने सभी प्रचलित शब्दों को इस्तमाल किया। शब्दों को प्रचलित रूप में इस्तमाल किया। वे अपनी पुस्तक साए में धूप की भूमिका में खुद कहते हैं " ग़ज़लों को भूमिका की ज़रूरत नहीं होनी चाहिए; लेकिन,एक कैफ़ियत इनकी भाषा के बारे में ज़रूरी है। कुछ उर्दू–दाँ दोस्तों ने कुछ उर्दू शब्दों के प्रयोग पर एतराज़ किया है।उनका कहना है कि शब्द 'शहर' नहीं 'शह्र' होता है, 'वज़न' नहीं 'वज्न' होता है।

–कि मैं उर्दू नहीं जानता, लेकिन इन शब्दों का प्रयोग यहाँ अज्ञानतावश नहीं, जानबूझकर किया गया है। यह कोई मुश्किल काम नहीं था कि 'शहर' की जगह 'नगर' लिखकर इस दोष से मुक्ति पा लूँ,किंतु मैंने उर्दू शब्दों को उस रूप में इस्तेमाल किया है,जिस रूप में वे हिन्दी में घुल-मिल गये हैं। उर्दू का 'शह्र' हिन्दी में 'शहर' लिखा और बोला जाता है ।ठीक उसी तरह जैसे हिन्दी का 'ब्राह्मण' उर्दू में 'बिरहमन' हो गया है और 'ऋतु' 'रुत' हो गई है।

–कि उर्दू और हिन्दी अपने–अपने सिंहासन से उतरकर जब आम आदमी के बीच आती हैं तो उनमें फ़र्क़ कर पाना बड़ा मुश्किल होता है। मेरी नीयत और कोशिश यही रही है कि इन दोनों भाषाओं को ज़्यादा से ज़्यादा क़रीब ला सकूँ। इसलिए ये ग़ज़लें उस भाषा में लिखी गई हैं जिसे मैं बोलता हूँ।

–कि ग़ज़ल की विधा बहुत पुरानी,किंतु विधा है,जिसमें बड़े–बड़े उर्दू महारथियों ने काव्य–रचना की है। हिन्दी में भी महाकवि निराला से लेकर आज के गीतकारों और नये कवियों तक अनेक कवियों ने इस विधा को आज़माया है।"

ग़ज़ल पर्शियन और अरबी से उर्दू में आयी। ग़ज़ल का मतलब हैं औरतों से अथवा औरतों के बारे में बातचीत करना। यह भी कहा जा सकता हैं कि ग़ज़ल का सर्वसाधारण अर्थ हैं माशूक से बातचीत का माध्यम। उर्दू के साहित्यकार स्वर्गीय रघुपति सहाय 'फिराक' गोरखपुरी ने ग़ज़ल की भावपूर्ण परिभाषा लिखी हैं। कहते हैं कि, 'जब कोई शिकारी जंगल में कुत्तों के साथ हिरन का पीछा करता हैं और हिरन भागते - भागते किसी ऐसी झाड़ी में फंस जाता हैं जहां से वह निकल नहीं सकता, उस समय उसके कंठ से एक दर्द भरी आवाज़ निकलती हैं। उसी करूण स्वर को ग़ज़ल कहते हैं। इसीलिये विवशता का दिव्यतम रूप में प्रगट होना, स्वर का करूणतम हो जाना ही ग़ज़ल का आदर्श हैं'। दुष्यंत की गजलों की खूबी है साधारण बोलचाल के शब्दों का प्रयोग, हिंदी- उर्दू के घुले मिले शब्दों का प्रयोग । चुटीले व्यंग उनकी गजल की खूबी है।वे व्यवस्था और समाज पर चोट करते हैं। ये ही उन्हें सीधे आम आदमी के दिल तक ले जाती है। उनकी ये शैली उन्हें अन्य कवियों से अलग और लोकप्रिय करती है। आम आदमी और व्यवस्था पर चोट करने वाले दुष्यंत कुमार के शेर, व्यवस्था पर चोट करते उनके शेर सड़कों से संसद गूंजतें है। शायद दुष्यंत कुमार अकेले ऐसे साहित्यकार होंगे , जिसके शेर सबसे ज्यादा बार संसद में पढ़े गए हों। सभाओं में नेताओं ने उनके शेर सुनाकर व्यवस्था पर चोट की हो।सरकार को जगाने और जनचेतना का कार्य किया हो।उन्होंने हिंदी गजल भी लिखी, पर वह इतनी प्रसिद्धि नही पा सकी, जितनी हिंदुस्तानी हिंदी में लिखी गजल लोकप्रिस हुई।

उनके गुनगुनाए जाने वाले उनके कुछ हिंदुस्तानी हिंदी के शेर हैं–

-वो आदमी नहीं है मुकम्मल बयान है,
माथे पे उस के चोट का गहरा निशान है।

-रहनुमाओं की अदाओं पे फ़िदा है दुनिया, इस बहकती हुई दुनिया को सँभालो यारों।

-कैसे आकाश में सूराख़ नहीं हो सकता ,
एक पत्थर तो तबीअत से उछालो यारों।

-मत कहो आकाश में कोहरा घना है,
ये किसी की व्यक्तगत आलोचना है।

- ये जिस्म झुककर बोझ से दुहरा हुआ होगा,मैं सज्दे में नही था, आपको धोखा हुआ होगा।

अशोक मधुप

निजी अस्पतालों और बीमा कम्पनियो के बीच समन्वय की कमी से इलाज में मुश्किले

निजी अस्पतालों और बीमा कम्पनियो के बीच झगड़े से मरीजों के इलाज चुनौतीपूर्ण होने जा रहा है।निजी अस्पताल और बीमा कम्पनियो के झगड़े में मरीजों को काफी कुछ सहन पड़ सकता है।हेल्थ इंश्योरेंस के भरोसे मरीज बेहतर अस्पताल में इलाज करवाता है।गरीब और मध्यम वर्ग लोगो के लिए इलाज असहज होता जा रहा है।निजी अस्पतालों और इंश्योरेंस कम्पनियो की तकरार में मरीजों को सहन करना पड़ता है।

निजी अस्पताल किसी भी समय मुफ्त उपचार के लिए मना कर दे,तो मरीजो के लिए यह चुनौती कम नही होगी।दरअसल,गरीब और मध्यम वर्ग अचानक आने वाली बीमारी के इलाज के लिए अपनी सुविधा के अनुसार बीमा करवाता है।लेकिन बीमा कम्पनियो और निजी अस्पताल के बीच बढ़ती दुश्वारियों के कारण गरीब वर्ग के इलाज में बढ़ती मुश्किलो को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

नतीजतन,मुनाफे को लेकर निजी अस्पतालों और बीमा कम्पनियो के बीच छिड़े विवाद को मरीजो के लिए परेशानियों का सबब बनता जा रहा है।क्योंकि दोनो संस्थाएं अपने हित की लड़ाई और लाभ के लिए मरीजो के लिए इलाज को प्रभावित कर रही है।बीमा धारक उपभोक्ता यह सोचते है कि आवश्यकता पड़ने पर अस्पताल में भर्ती होकर इलाज करवा देंगे।और उनके इंश्योरेंस का खर्च कम्पनी उठाएगी।लेकिन अब मरीजो की मुश्किलें बढ़ती दिखाई दे रही है।पहले मरीज निश्चिंत होकर अपना इलाज पैसे के अभाव में करा सकते थे।लेकिन प्राइवेट अस्पतालों में पहले पैसे डिपॉजिट करवा कर इलाज करवाना होगा। दरअसल भारतीय बीमा विनिमायक और विकास प्राधिकरण भी कैशलेस इलाज को बढ़ावा देता है।निजी अस्पतालों के संगठन और केयर हेल्थ इंश्योरेंस कम्पनियो द्वारा कैशलेस सुविधा उपलबन्ध नही कराने और सितम्बर महीने से कैशलेस सुविधा खत्म करने का नोटिस जारी किया है।हालांकि पैनल में शामिल अस्पतालों में इलाज जारी रहेगा।लेकिन इंश्योरेंस और निजी कम्पनियो के बीच चल रहे विवाद के बीच यह अनुमान लगाया जा रहा है कि निजी अस्पताल मुफ्त इलाज के लिए मरीज को मनाभी कर सकते है।

उस समय अस्पतालों पर आधारित मरीजो के लिए मुश्किलें बढ़ सकती है।चिकित्सक की फीस और कमरे के किराए पर सहमति बनती है तो निजी अस्पताल और बीमा कम्पनी के बीच बढ़ रहे झगड़े के स्वरूप को समाप्त किया जा सकता है।इंश्योरेंस कंपनियो का दावा है कि अस्पताल खर्चबढ़ा चढ़ा कर पेश कर रहे है।जिससे वितीय दबाव बढ़ रहा है।जबकि अस्पतालों का कहना है कि 14 प्रतिशत महंगाई दर बढ़ रही है।लेकिन इन्श्योरेंस कम्पनिया दर बढ़ाने के लिए सहमत नही है।निजी अस्पताल और इंश्योरेंस कम्पनियो के बीच विचारभेद और खर्च को लेकर छिड़े विवाद का समाधान नही होता है,तब तक किसी नतीजे पर नही पहुंच सकते है।वैसे भी निजी अस्पतालों और बीमा कम्पनियों के बीच इलाज का समझौता होता है। ऐसे कोई कानूनी प्राविधान नही है कि निजी अस्पताल इलाज करने से मना नही कर सकता है।निजी अस्पताल इलाज के लिए बाध्य नहीं है और अस्पताल अगर इलाज के लिए मरीजो को मना करता है तो गरीब वर्ग के लिए यह चुनौती से कम नही होगा।स्वास्थ्य बीमा एक बड़ा निवेश है।वितीय तंगी से परिवार को बचाता है।बीमा धारक अस्पताल में भर्ती होने से पहले और बाद के खचों के लिए कवरेज प्रदान करता है।डेकेयर उपचार,अंग प्रत्यारोपण, नैदानिक और मातृत्व और नवजात शिशु देखभाल और मरीजो के भर्ती होने से पूर्व और बाद के खर्च कवरेज करते है।बीमा कम्पनियो के पास से खरीदा जाता है और लाभ पैकेज के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। लिहाजा,हर बीमारी के परीक्षण के बाद चिकित्सक यह कहते सुना गया है कि आपने मेडिक्लेम करवा रखा है?लेकिन निजी अस्पतालों और बीमा कम्पनी के बीच खर्च को लेकर बढ़ते विवाद के बीच मरीज असहज महसूस करने लगा है।मरीजो के साथ अन्याय होने का भय सता रहा है।अगले महीने निजी अस्पताल इलाज के लिए मना करते है तो मरीजों के विश्वास को धक्का लगने की पूर्ण सम्भावना है।

सरकारी योजनाओं में सेंघ लगाने वाले हर समय ताक में रहते है।एजेंट को फायदा नही होता है तो मरीज को गुमराह कर देते है।गरीबो के लिए चलाई जाने वाली योजनाएं इसलिये लक्ष्य हासिल नही कर पाती है कि उसमें अनियमितता की दर सबसे अधिक देखी जाती है।सरकारे इस हकीकत से अंजान नही है।आयुष्मान योजना के शुरुआती दौर में एक पैन पर दो नाम पंजिकरण पाए गए।लेकिन उसके बाद विभाग भी सचेत हो गया था।लाभार्थियों के सत्यापन में पुख्त तरीका नही अपनाया गया था ।अब हर वर्ष व्यक्ति के आधार से सत्यापन किया जा रहा है।इसमें यह ज्ञात हो जाता है कि कार्डधारक ही सही व्यक्ति है।जिसको सरकारी लाभ मिलना ही चाहिए।

कांतिलाल मांडोत

संपत्ति और अवैध संबन्धों की खातिर अपनो का खून बहा रहे लोग

हाल ही मे एक समाचार और विडियो चर्चा में बनी जिसमें सेवा काल में बदमाशों के छक्के छुड़ाने वाले रिटायर्ड डीएसपी को पत्नि और बेटों ने पीट पीट कर अधमरा कर दिया। 31 मार्च 2025 को रिटायर हुए डीएसपी प्रतिपाल सिंह यादव की पत्नी अपने दो बेटों सहित पहुंची. एक बेटा अपने पिता प्रतिपाल की छाती पर बैठ गया और दूसरे ने रस्सी से उनके पैर बांध दिए. इस बीच पत्नी उनका मोबाइल और एटीएम लेकर चलती बनी.आजकल धन संपत्ति और अवैध संबन्धों की खातिर अपनो का खून बहाने का सिलसिला जारी है। हमारी प्राचीन सनातन संस्कृति और उच्च संस्कारों की मान्यताएँ लगता है कि अब काल कलवित हो रहीं हैं कभी जो भारतीय परिवार विश्व के लिए श्रेष्ठ आचरण का संदेश देने वाले थे अब मान्यताओं और मर्यादाओं की कब्र खोद रहे हैं और आए दिन ऐसी वारदातों की झड़ी लगी है जिनमें बाप बेटे पति पत्नी भाई बहन एक दूसरे के खून से हाथ रंग रहे हैं। आपको बता दें कि 29 अगस्त को हीऔरैया जिले के दिबियापुर थाना क्षेत्र में एक बेटे ने शराब के पैसों के विवाद में अपने पिता को पत्थर से मारकर हत्या कर दी. पुलिस ने आरोपी बेटे को एक घंटे में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. पुलिस के अनुसार, 28 वर्षीय साहब लाल उर्फ कौवा का अपने पिता गंगा सिंह से शराब के लिए पैसे मांगने को लेकर झगड़ा हुआ था. पिता ने पैसे देने से मना कर दिया. इससे नाराज होकर आरोपी ने देर रात छत पर सो रहे पिता के सिर पर पत्थर के टुकड़े से जोरदार वार कर दिया. 29 अगस्त को ही ऐसा ही दूसरी वारदात यूपी के ही हरदोई में हुई सांडी थाना क्षेत्र के देईचोर अंटवा गांव में नशेड़ी बेटे ने पिता की घूंसे मार मारकर हत्या कर दी। पिता को पीटने से पहले बेटा मां को पीट रहा था। इसी दौरान घर पहुंचे पिता ने बीच-बचाव किया तो बेटे ने उनकी हत्या कर दी। 30 अगस्त को हापुड़(यूपी) के ततारपुर में एक कलयुगी बेटे ने 12 लाख की सुपारी देकर अपने पिता की हत्या करा दी। वजह थी पिता का जमीन को लेकर वैद्य के पुत्र के प्रति झुकाव। हत्यारों ने किसान का गला रेतकर और मुंह कुचलकर हत्या की। पुलिस ने बेटे और तीन सुपारी किलर को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या में इस्तेमाल हथियार भी बरामद हुए हैं। फरीदाबाद (हरियाणा) में बीपीटी क्षेत्र में हुई प्रॉपर्टी डीलर की हत्या मामले में पुलिस ने जब उनके बेटे से पूछताछ की तो उसने चौंकाने वाला खुलासा किया। उसने बताया कि दरवाज़ा नहीं खोलने पर उसने पिता की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद वह घबरा गया और मां के साथ मिलकर शव को ठिकाने लगाने की साज़िश रच डाली।

लाश को बोरे में भरकर उसे सुरजकुंड रोड पर अरावली की पहाड़ियों में फेंक दिया। फिलहाल 30 अगस्त को आरोपी मां और बेटा पुलिस ने हिरासत में लिया है। 30 अगस्त को एक और बेहद निर्ममता भरा मामला सामने आया है उत्तर प्रदेश के लखीमपुर जिले से दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां नशे में चूर एक पिता ने अपने सात महीने के दुधमुंहे बच्चे की खेल-खेल में जान ले ली। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। ये रूह कपा देने वाली दर्दनाक और अमानवीय घटना लखीमपुर के मितौली थाना के रेवाना गांव की है। आए दिन इस तरह की वारदातें बता रही है कि समाज में पतन की पराकाष्ठा हो रही है।

5 अगस्त को मध्यप्रदेश के इंदौर के एरोड्रम इलाके में एक चौंकाने वाली वारदात सामने आई है, जहां संपत्ति और शराब को लेकर हुए विवाद में पिता ने अपने ही बेटे की मोगरी मारकर हत्या कर दी। 9 अगस्त को 'औरैया' (उत्तर प्रदेश) के 'बिधुना' गांव में रक्षाबंधन के दिन एक 14 वर्षीय किशोरी की बलात्कार के बाद हत्या कर देने के आरोप में उसके ही चचेरे भाई को गिरफ्तार किया गया।10 अगस्त को 'अमेठी' (उत्तर प्रदेश) के 'जगदीशपुर' में विवाद के दौरान एक महिला ने तेज हथियार से अपने पति का गुप्तांग काट दिया।

8 जुलाई को यूपी के वाराणसी के कैंट क्षेत्र में संपत्ति विवाद के चलते बेटे ने पिता और बहन की इमामदस्ते से पीटकर हत्या कर दी. मृतक 78 वर्षीय रूपचंद्र और उनकी बेटी शिवकुमारी हैं. आरोपी राजेश को गिरफ्तार कर लिया गया बीती 10 जुलाई को गुरुग्राम(हरियाणा) में एक पिता द्वारा अपनी बेटी की हत्या का मामला सामने आया है. राधिका यादव नाम की बेटी, जो एक टेनिस खिलाड़ी थी और टेनिस अकादमी चला रही थी, को उसके पिता ने तीन गोलियां मारकर मौत के घाट उतार दिया. 10 अगस्त को ही 'खरगौन' (मध्य प्रदेश) के 'महेश्वर' में एक बाप को अपनी नाबालिग बेटी से बलात्कार करके उसे गर्भवती करने और फिर उसकी नवजात बच्ची को झाड़ियों में फेंक देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। नाबालिग लड़की तथा मासूम बच्ची के साथ हुई दरिंदगी और हैवानियत जान कर सबकी रूह कांप गई। 17 अगस्त को 'नई दिल्ली' में एक कलयुगी बेटे ने अपनी बुजुर्ग मां के साथ न केवल मारपीट की बल्कि उसके साथ बलात्कार भी कर डाला।17 अगस्त को ही 'जालंधर' (पंजाब) में गांव 'डल्ला' के एक दम्पति ने अपनी 6 महीने की दोहती की हत्या कर दी।18 अगस्त को सिरमौर' (हिमाचल प्रदेश) जिले के 'चदेच' गांव में नशे के आदी युवक 'पुष्प कुमार' ने अपनी मां 'जयंती देवी' पर पहले तो तेजधार हथियार से हमला किया और फिर गला घोंट कर उसे मार डाला।19 अगस्त को 'बठिंडा' (पंजाब) के गांव 'पक्का कलां' में 'जगसीर सिंह' नामक एक व्यक्ति ने घरेलू कलह के चलते अपनी पत्नी 'जसप्रीत कौर' पर ताबड़तोड़ 3 गोलियां चलाकर उसकी हत्या कर दी। 19 अगस्त श्रीनगर' (जम्मू-कश्मीर) में मामूली कलह के दौरान एक 17 वर्षीय किशोरी को गुस्से में अपनी 14 वर्षीय बहन की हत्या करने के आरोप में हिरासत में लिया गया। 21 अगस्त को 'पानीपत' (हरियाणा) में अपने बड़े भाई को उसकी नशे की लत से परेशान छोटे भाई ने मार डाला। 21 अगस्त को ही 'नोएडा' (उत्तर प्रदेश) में दहेज के लिए एक दहेज के लोभी व्यक्ति ने बेटे के सामने अपनी पत्नी को जिंदा जला दिया।

21 अगस्त को ही अगरतला (त्रिपुरा) में 'सुमित्रा' नामक महिला ने किसी बात पर नाराज होकर अपने पति पर तेजाब फेंक कर उसे जला दिया। बीती 22 अगस्त को यूपी के अंबेडकरनगर में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक पिता ने कुदाल से हमलाकर बेटे की बेरहमी से हत्या कर दी। घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। 22 अगस्त को 'बिजनौर' (उत्तर प्रदेश) में अंतरंग संबंध बनाने के दौरान एक नव विवाहित महिला ने अपना मूड बिगड़ जाने के कारण ब्लेड से अपने पति के गुप्तांग पर वार कर दिए। चीखें सुनकर पहुंचे युवक के पिता और अन्य लोगों ने तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया।24 अगस्त को 'हैदराबाद' (तेलंगाना) में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या करने के बाद उसके शव के कई टुकड़े कर दिए। मृतका के शरीर के कुछ टुकड़े आरोपी के मकान के अंदर बिखरे हुए पाए गए जबकि कुछ टुकड़े उसने एक नदी में फेंक दिए थे। 24 अगस्त को ही 'खरगौन' (मध्य प्रदेश) में एक व्यक्ति ने अपनी नवविवाहित पत्नी के शरीर को कई जगह यह कह कर गर्म चाकू से दाग दिया कि वह सुंदर नहीं है।

रिश्तों को तार-तार करने वाले मानव के पतन के विभिन्न पहलुओं को उजागर करती उक्त घटनाएं इस कटु तथ्य की ओर यह इंगित करती हैं कि आज हम अपने प्राचीन नैतिक मूल्यों से किस कदर नीचे गिर गए हैं और नशे की लत रील अवैध संबन्ध और संपत्ति पर कब्जा करने की हनक में लोग रिश्ते नाते भूलकर अपनों के खून से हाथ रंग रहे हैं।

मनोज कुमार अग्रवाल

दैनिक राशिफल

ज्योतिष सेवा केन्द्र लखनऊ
डॉ. कौशलेन्द्र पाण्डेय जी
मो.9455715061,8896344970

1.मेष- आज आपके फालतू खर्च होगा। तनाव रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें, बाकी सामान्य रहेगा। आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। मित्रों की मदद से महत्वपूर्ण कार्य पूरे होने के आसार हैं। साझेदारी में नए प्रस्ताव मिलेंगे।

2.वृष- आज राजकीय सहयोग मिलेगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे। अध्यात्म में रुचि रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में उचित लाभ हो सकेगा। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। जीवनसाथी की उन्नति सामाजिक सम्मान को बढ़ाएगी।

3.मिथुन- आज राजकीय सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। थकान रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद से बचें। नए कार्यों में लाभ होने की संभावना है। परिवार की तरक्की होगी। आपको अपने कर्म पर विश्वास रखते हुए कार्य करना चाहिए।

4.कर्क- आज बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। जोखिम न लें। आवास संबंधी समस्या रहेगी। रचनात्मक कामों का प्रतिफल मिलेगा। पूर्व में किए गए कार्यों का शुभ फल प्राप्त हो सकेगा। स्वाध्याय में रुचि बढ़ेगी।

5.सिंह- आज योजना फलीभूत होगी। घर-बाहर पूछ-परख बढ़ेगी। कार्यसिद्धि होगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। आत्मविश्वास बढ़ने से व्यापारिक लाभ अधिक होने के योग हैं। यात्रा में सावधानी रखें। जल्दबाजी एवं लापरवाही से कार्य करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाएँ

6.कन्या- आज नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता बनी रहेगी। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखना चाहिए। श्रम अधिक करना होगा। आपके कार्यों की समाज एवं परिवार में आलोचना हो सकती है। व्यापार सामान्य चलेगा।

7. तुला- आज पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। अच?छी खबरें मिलेंगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। पारिवारिक वातावरण सहयोगात्मक रहेगा। आपकी बुद्धिमानी से समस्याओं का समाधान संभव है। सुख-समृद्धि बढ़ेगी।

8.वृश्चिक- आज आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे। मेहनत सफल रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। नई योजनाओं का क्रियान्वयन होगा। बड़े लोगों से भेंट होगी, जिसका लाभ भविष्य में मिलेगा। शत्रु परास्त होंगे। आलस्य से बचकर रहें।

9.धनु- आज आपको शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ अधिक होगी। थकान रहेगी। वाणी पर नियंत्रण आवश्यक है। माता-पिता का स्वास्थ्य ठीक रहेगा। दिन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। व्यापार में लाभ की स्थिति बनेगी। रुका पैसा प्राप्त होने के योग हैं।

10.मकर- आज आपको चोट व दुर्घटना से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। विवाद न करें। आर्थिक समस्या रह सकती है। नए कामों में सफलता मिलेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। खर्च का बोझ बढ़ेगा।

11.कुंभ- आज रोजगार में वृद्धि होगी। संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं। बड़ा लाभ होगा। जल्दबाजी न करें। प्रमाद से बचें। दूरदर्शिता एवं बुद्धिमानी से कई रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है। खर्चों में कमी करना होगी। व्यापार में सही निर्णय नहीं लेने से हानि हो सकती है।

12.मीन- आज आपको पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। दिन प्रतिकूल रह सकता है। सामाजिक स्तर में परिवर्तन एवं प्रतिष्ठा को लेकर चिंतित रहेंगे। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा। अधिक लोभ-लालच न करें।

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। **R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 -9511151254,** E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

थाना विभूति खंड क्षेत्र स्थित हम्ज़ा नामक युवक पर अज्ञात हमलावरों ने चलाई गोलियां

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में एक बार फिर गूंज उठी गोलियों की तड़तड़ाहट थाना विभूति खंड क्षेत्र स्थित सम्मिट बिल्डिंग में कार्यरत हम्ज़ा नामक युवक पर अज्ञात हमलावरों ने चलाई गोलियां, युवक ड्यूटी से घर जा रहा था, तभी रास्ते में कुछ बदमाशों ने किया हमला, हमलावर युवक को मृत समझकर मौके से हुए फरार। गोली लगने से गंभीर रूप से घायल युवक को पुलिस ने तुरंत लोहिया अस्पताल पहुंचाया हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों ने किया केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर रेफ़र। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और हमलावरों की तलाश जारी।

भारतीय किसान मंच उत्तर प्रदेश व भारतीय गौ सेवा परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील राजवंशी के द्वारा चुने गए पदाधिकारी

बिसवां, सीतापुर भारतीय किसान मंच उ0प्र0 व भारतीय गौ सेवा परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील राजवंशी के द्वारा संगठन के विस्तार को ध्यान मे रखते हुए। अखिलेश कुमार "अखिल" को जिला महासचिव व मनोज कुमार राजवंशी बिसवां तहसील अध्यक्ष, राम विलास महासचिव, संतोष तिवारी उपाध्यक्ष, अख्तर अली अंसारी, दिनेश कुमार कनौजिया, सोमेश्वर दत्त को सचिव मनोनीत किया गया। मनोनयन के बाद जिला महासचिव अखिलेश अखिल ने बताया कि संगठन के द्वारा हमें जो जिम्मेदारी सोंपी गई है हम प्रयास करेंगे उन्हें पूरा करें और संगठन का विस्तार करें। तहसील अध्यक्ष मनोज राजवंशी ने कहा संगठन के द्वारा किसान, मजदूर और युवाओ के प्रति किये जा रहे कार्यों को आम जनमानस तक पहुँचाया जा सके। उक्त अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष ने बताया आप लोगों को जो जिम्मेदारी दी गई है उसे ईमानदारी, लग्न, निष्ठा से निभाएं और किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लेकर स्थानीय प्रशासन से वार्ता कर किसानों का सहयोग करें । इस अवसर पर जिला मीडिया प्रभारी पंकज भारतीय, अशोक कुमार आदि मौजूद थे।

नगराम नगर पंचायत में स्वामित्व प्रमाण पत्र को लेकर मचा बवाल, ग्रामीणों ने कार्यशैली पर उठाए सवाल

नगराम। लखनऊ राजधानी लखनऊ के नगर पंचायत नगराम टाउन एरिया में नगर पंचायत द्वारा जारी एक स्वामित्व प्रमाण पत्र को लेकर बवाल मच गया है। नगर पंचायत ने एक व्यक्ति को मकान प्लॉट का स्वामित्व प्रमाणित कर दिया, जबकि भूमि पर स्वामित्व का अधिकार केवल तहसील और रजिस्ट्री कार्यालय को ही होता है। स्थानीय लोगों ने नगर पंचायत की इस कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि नगर पंचायत को केवल सफाई, पानी, सड़क और टैक्स वसूली जैसे कार्य करने का अधिकार है। जमीन-जायदाद का स्वामित्व देना इसका अधिकार क्षेत्र नहीं है।ग्रामीण रामबहादुर यादव ने कहा कि इस तरह का पत्र लोगों को गुमराह करने वाला है। कल को कोई भी इस कागज़ को दिखाकर असली मालिक की जमीन हड़प सकता है।गांव की महिला सुमन देवी ने कहा कि नगर पंचायत जनता की सुविधा देखे, लेकिन अब जमीन पर स्वामित्व बाँटकर विवाद खड़ा कर रही है।बुजुर्ग ग्रामीण फकीरे लाल ने आरोप लगाया कि यह कदम भूमाफियाओं को सीधा फायदा पहुँचाने वाला है और इसमें गड़बड़ी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस पूरे मामले की गहन जाँच कराई जाए और नगर पंचायत नगराम के जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम बिंदा प्रसाद पुत्र भगवान दिन निवासी ग्राम सहदेमाऊ पोस्ट चहोतर तहसील लालगंज जिला रायबरेली मेरे दो पुत्र तथा दो पुत्रियां शिवम सत्यम ज्योति देवी आरती है मेरी बेटी ज्योति देवी का चाल चलन ठीक न होने के कारण व पारिवारिक सहमति के बिना आशीष पुत्र रवि शंकर निवासी ग्राम सहदे मऊ पोस्ट चहोतर तहसील लालगंज जिला रायबरेली भागकर शादी कर लिया है अब ज्योति का घर से किसी भी प्रकार का कोई वास्ता नहीं है और चाल चलन ठीक ना होने की वजह से घर पर भी नहीं आते जाते हैं ज्योति देवी के चाल चलन ठीक न होने कि वपरिवार से किसी भी प्रकार का रिश्ता ना रखने की वजह से मैं अपने चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं अब मेरा किसी भी प्रकार का कोई वास्ता ज्योति देवी से नहीं है मेरी पुत्री द्वारा कोई वाद विवाद मुकदमा एफआईआर होती है तो उसमें मेरी कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

भक्तिरस में डूबे श्रद्धालु, आचार्य ज्ञानेश त्रिपाठी ने कराया प्रभु श्रीराम के चरित्र का रसपान

स्वतंत्र प्रभात

निगोहां। लखनऊ, निगोहां क्षेत्र के उतरावां स्थित पावन धाम रामदास की कुटी परिसर में चल रही नौ दिवसीय श्रीराम कथा का रविवार को नवां दिवस दिव्य और भव्य भक्ति रसधारा में संपन्न हुआ। कथा व्यास आचार्य ज्ञानेश त्रिपाठी ने अपने मधुर वचनों से श्रद्धालुओं को प्रभु श्रीराम के चरित्र का रसपान कराया। कथा स्थल पर हर ओर जय श्रीराम और राधे-राधे के जयघोष गूंजते रहे।आचार्य त्रिपाठी ने कहा कि जीव को भगवान से मिलाने का कार्य संत करते हैं। जैसे पवनपुत्र हनुमान जी ने प्रभु श्रीराम से सुग्रीव की मित्रता कराई। जीव भयभीत और असहाय रहता है, लेकिन जब स्वयं भगवान उसका हाथ पकड़ लेते हैं तो वह संबंध अटूट और शाश्वत हो जाता है।कथा व्यास ने सुंदरकांड का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि यदि जीवन को सुंदर बनाना है तो सुंदरकांड का श्रवण अवश्य करना चाहिए। हनुमान जी की लंका यात्रा, माता सीता की खोज और प्रभु श्रीराम द्वारा दी गई मुद्रिका माता सीता को सौंपने का प्रसंग सुनते ही श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। आचार्य ने बताया कि माता सीता ने श्री हनुमान जी को अजर-अमर होने का वरदान देकर उन्हें अपने परम भक्त का दर्जा दिया।इसके आगे उन्होंने वर्णन किया कि कैसे लौटकर श्री हनुमान जी ने प्रभु श्रीराम को माता सीता का संदेश सुनाया।

तत्पश्चात प्रभु ने अंगद को संधिदूत बनाकर रावण के दरबार भेजा और नीति सिखाई कि दुश्मन से भी वार्ता ऐसी करनी चाहिए जिससे अपना कार्य भी सिद्ध हो और उसका भी कल्याण हो।कथा में श्रीराम राज्याभिषेक का दिव्य प्रसंग भी सुनाया गया। व्यास पीठ से आचार्य त्रिपाठी ने कहा श्रीराम का चरित्र ही जीवन का आदर्श है। यदि मनुष्य रामचरित को अपनाए तो उसका जीवन सफल और पवित्र हो जाता है।इसी क्रम में राधाष्टमी के पावन अवसर पर उन्होंने राधा नाम संकीर्तन और गौ महिमा का अत्यंत भक्तिपूर्ण वर्णन किया। गौ माता की सेवा को उन्होंने सच्चे धर्म का आधार बताया।

कथा पंडाल में श्रद्धालु भक्ति भाव से सराबोर होकर मंत्रमुग्ध हो गए। वातावरण हर क्षण राममय और राधामय बना रहा। कथा के समापन पर आरती और भजन संकीर्तन से पूरा क्षेत्र आध्यात्मिक ऊर्जा से आलोकित हो उठा।इस दिव्य आयोजन की सेवा गौ सेवक शैलेंद्र सिंह चौहान कर रहे हैं जबकि प्रेस क्लब निगोहां के अध्यक्ष विमल सिंह चौहान ने व्यवस्थापन की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सहकर्मियों ने सेवानिवृत रेलकर्मियों को दी भावभीनी विदाई

लालगंज (रायबरेली)। नगर के रेलवे स्टेशन परिसर में रविवार को रेल विभाग से सेवानिवृत्त हुए दो कर्मचारियों को साथियों ने सम्मानपूर्वक विदाई दी। आयोजित कार्यक्रम में सिग्नल विभाग के एसएससी रमेश चंद मिश्रा और संकेत अनुरक्षक मनोज यादव का सम्मान किया गया। समारोह के दौरान सहकर्मियों ने दोनों वरिष्ठ कर्मचारियों को पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके लंबे सेवाकाल को याद किया। विदाई के क्षण बेहद भावुक रहे। साथियों की ओर से मिले सम्मान और स्नेह से रमेशचंद मिश्रा और मनोज यादव की आंखें नम हो गईं। इस मौके पर उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि रेलवे परिवार के सहयोग और साथ ने ही उनके कार्यकाल को यादगार बनाया। सभी ने अपने संबोधन में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के योगदान की सराहना की और उनके स्वस्थ और सुखद भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में उत्तर रेलवे मेंस यूनियन के नेता सुधीर तिवारी, देव कुमार, शाखा मंत्री एसके सिंह, स्टेशन अधीक्षक श्यामलाल व स्टेशन मास्टर विकास मणि त्रिपाठी सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

ऐहार गांव में गणेश चतुर्थी की धूम, वातावरण भक्तिमय

स्वतंत्र प्रभात

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के ऐहार गांव में इन दिनों गणेशोत्सव की धूम है। गाँव में तीन सार्वजनिक स्थानों पर भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई है। सुबह शाम गणेश पंडाल में भक्त पूजा अर्चना कर रहे हैं। रविवार को भक्तों ने भगवान् गणेश की पूजा अर्चना की। भगवान विघ्नहर्ता से जीवन में सुख समृद्धि और सर्वजन कल्याण की कामना की।

कार्यक्रम की संयोजक सोनी निर्मल ने बताया कि यह लगातार तीसरा वर्ष है जब भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई। गणेशोत्सव को लेकर पूरे मोहल्ले में सुबह शाम पूजा आरती की जाती है। जिससे गाँव का पूरा वातावरण भक्तिमय हो जाता है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष सभी के सहयोग से तीन फुट ऊँची प्रतिमा स्थापित की गई है। सुबह शाम महिलाएं मांगलिक गीत गाकर भगवान गणेश को प्रसन्न करती हैं। पूजा आरती के बाद प्रसाद वितरण किया जाता है।

उधर तिवारी धर्मशाला में श्री सिद्धिविनायक सेवा समिति की ओर से भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई। जहां सुबह शाम भक्तों ने विधि विधानपूर्वक पूजा अर्चना कर भगवान गणेश से सुख समृद्धि की कामना की। इस मौके पर रामआसरे शर्मा, रामखेलावन निर्मल, गोलू, पूजा, किरन, रविंद्र द्विवेदी, शोभित द्विवेदी बबलू शुक्ला, कार्तिक शुक्ल, तन्मय, तनिशी, रौनक, निखिल, प्रिंस, जानवी, प्रिंसी, सहित तमाम भक्तगण मौजूद रहे।

निगोहां में सुना गया प्रधानमंत्री के "मन की बात कार्यक्रम",भाजपा कार्यकर्ताओं में दिखा उत्साह

स्वतंत्र प्रभात

निगोहां। लखनऊ, निगोहां कस्बे के मंडल कार्यालय पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष ललित सिंह ने की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं की मौजूदगी ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया।

कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री मोदी के विचारों को ध्यानपूर्वक सुना और आत्मसात किया। वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री की मन की बात कार्यक्रम समाज और राष्ट्र को दिशा देने वाला है, जिसमें आम जनता से जुड़ी योजनाओं, जन-भागीदारी और सकारात्मक सोच पर विशेष बल दिया जाता है।इस दौरान मंडल अध्यक्ष ललित सिंह ने कहा कि कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री की प्रेरणादायक बातों को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाना चाहिए ताकि समाज में जागरूकता और विकास की सोच को बढ़ावा मिल सके। वहीं विधायक अमरेश रावत ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।अंत में कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया और भारतमाता की जय व जय श्रीराम के नारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा। इस मौके पर मंडल प्रभारी एवं जिला महामंत्री राम लाल वर्मा, क्षेत्रीय विधायक अमरेश कुमार रावत, मंडल महामंत्री प्रांशु चौरसिया, मंडल मंत्री बी.एन. तिवारी, मंडल कोषाध्यक्ष नागेश चन्द्र अवस्थी, सेक्टर संयोजक अरुण वर्मा, सेक्टर संयोजक शिवकुमार चौरसिया, वरिष्ठ कार्यकर्ता भवरेश्वर चौरसिया, संदीप सिंह एवं राजकुमार चौरसिया समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सब इंस्पेक्टर कमला रमण शुक्ला के सेवानिवृत्त पर कस्बा वासियों ने सम्मानित कर दी बधाई

स्वतंत्र प्रभात

निगोहां। निगोहां थाने पर तैनात सब इंस्पेक्टर कमला रमण शुक्ला शनिवार को पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त हो गए थे वही रविवार को निगोहां कस्बे के व्यपार मंडल अध्यक्ष सुरेन्द्र दीक्षित की अगुवाई में कस्बा वासियों ने उन्हें सम्मानित करते हुए बधाई दी। यह सम्मान समारोह कस्बे के साई टी स्टाल पर आयोजित हुआ। जहाँ पहुंचे एसआई कमला रमण शुक्ला को व्यपार मण्डल अध्यक्ष सुरेन्द्र दीक्षित सहित देवराज सिंह, गुड्डू तिवारी, ग्राम प्रधान अभय दीक्षित, गुड्डू सिंह, पुपुन तिवारी, मदन सिंह ,गिरधारी सहित अन्य दर्जन भर लोगो ने उन्हें फूलमालाएं पहनाकर अंग वस्त्र भेंट कर उन्हें श्री राम की प्रतिमा भेंट कर उन्हें सम्मानित करने के साथ ही बधाई दी।

साथ ही उनके लंबे सेवाकाल में किए गए कार्यो को याद कर सराहना की गई। सहकर्मियों ने कहा कि शुक्ला अपने सौम्य व्यवहार, कर्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी के लिए हमेशा याद किए जाएंगे। इस अवसर पर एसआई शुक्ला भावुक हो उठे। उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा उनके जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। वे हमेशा जनता की सेवा और सहयोग के लिए तत्पर रहे। उन्होंने सभी साथियों को धन्यवाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मिश्रिख क्षेत्र में किसी जंगली जानवर का आतंक कहीं बकरी तो कहीं गाय को बना रहा निवाला ग्रामीण दहसत में

मिश्रिख (सीतापुर) विकासखण्ड मिश्रिख की ग्राम पंचायत चंद्रावल निवासी विनय मिश्रा पुत्र प्यारेलाल मिश्रा की एक गाय घर के बाहर बंधी थी। बीते दिनों किसी जंगली जानवर ने उसकी गर्दन पर हमला करके निवाला बना डाला था। बीते शनिवार को विकासखंड मिश्रिख की ग्राम पंचायत इस्लामनगर के मजरा असरफनगर निवासी गोपाली राठौर और मढिया निवासी सिरदार की बकरियां घर के अंदर बंधी थी। रात के अंधेरे में जंगली जानवर ने हमला कर दिया। गोपाली की बकरी को अपना निवाला बना डाला था। वहीं सिरदार की बकरी को गम्भीर रूप से घायल कर दिया था। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई थी। वर्तमान समय वन रेंज कार्यालय के चंद कदमों की दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत बरमी के मजरा गजोधरपुर के ग्रामीणों का कहना है। वह जंगल में जानवर चराते समय कई बार बाघ को देखा है। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम बीते दो दिनों से जंगल और खेतो की काबिंग कर रही है। फारेस्टर अनिल यादव ने बताया है। कि उनको जंगल में जो पद चिन्ह मिले है। वह किसी बड़े जंगली जानवर के नही है। भेड़िया आदि के हो सकते है। फिलहाल उन्होने सभी ग्रामीणों को सतर्क रहने के निर्देश दिए है।

दीप यज्ञ में दीपों की रोशनी से जगमगाया परिसर

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के खरगपुर सौताना गांव में रविवार को गायत्री परिवार की ओर से दीप यज्ञ का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से दीप यज्ञ कर सर्वजन कल्याण की कामना की। गांव निवासी श्रीराम सिंह ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। संजय मिश्रा की ओर से प्रस्तुत सुंदर गायत्री वंदना और भजनों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। गोधूलि बेला में दीपों की झिलमिलाहट से पूरा परिसर आलोकित हो उठा। सामूहिक रूप से गायत्री मंत्र और सर्वकल्याण के मंत्रोच्चार के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर मिथिलेश सिंह, सिंधु लता सिंह, सुरेश दीक्षित, राकेश सिंह, पिंटू सिंह, छेदी सिंह, पदमा सिंह, अनिल सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला पुरुष मौजूद रहे।

कॉल सेंटर्स से संगठित अपराधों के प्रति रहें सतर्क- एएसपी

चित्रकूट ब्यूरो: अपर पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह ने रविवार को थानों पर नियुक्त साइबर हेल्प डेस्क कर्मचारियों के साथ बैठक कर कार्यों का मूल्यांकन किया तथा साइबर समस्याओं के निस्तारण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ने साइबर अपराध से सम्बन्धित रजिस्टरों का अवलोकन करते हुए सभी पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि थाना स्थित साइबर हेल्प डेस्क पर प्राप्त शिकायतों को दर्ज करें एवं हेल्प डेस्क पर उपलब्ध रजिस्टर, शिकायतों के निस्तारण की स्थिति एवं प्राप्त प्रकरणों आदि को भी दुरुस्त रखें। अपर एसपी ने कहा कि वित्तीय अपराध से सम्बन्धित शिकायतों जैसे गम्भीर संज्ञेय अपराध, कॉल सेन्टर्स से संगठित अपराध, धनराशि फ्राड आदि व सोशल मीडिया अपराध से सम्बन्धित शिकायतों जैसे आपत्तिजनक कन्टेन्ट, फर्जी वेबसाइट, फर्जी लिंक आदि की शिकायतें प्राप्त होने पर साइबर पीड़ितों की मदद करते हुए यथाशीघ्र राहत प्रदान करें।

भाजपा मिश्रिख नैमिष मंडल इकाई का विस्तार, शुभम दीक्षित बने महामंत्री

स्वतंत्र प्रभात

मिश्रिख (सीतापुर) शनिवार की शाम मिश्रिख नैमिष मंडल में भारतीय जनता पार्टी की सोलह सदस्यीय इकाई का विस्तार किया गया । इस दौरान मंडल अध्यक्ष देवेश पांडेय ने जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला के निर्देश पर नई कार्यकारिणी की घोषणा की, जिसमें कार्यकर्ताओं को नए दायित्व सौंपे गए।नवगठित इकाई में नैमिषारण्य के शुभम दीक्षित को मंडल महामंत्री और अभय शुक्ला को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसमें उपाध्यक्ष पद सोनू सागर, विवेक सिंह, आलोक सिंह, अभय शुक्ला, सीमा गुप्ता एवं पीयूष बिहारी मिश्रा, महामंत्री संदीप राजवंशी, शुभम दीक्षित, मंडल मंत्री नीतू कश्यप, आनंद, निशा वर्मा, सोनू राजवंशी, प्रेम गौतम, राहुल कश्यप, कोषाध्यक्ष सुमित सैनी को बनाया गया । इस अवसर पर जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने भी नई इकाई को बधाई देते हुए कहा कि यह टीम क्षेत्र में पार्टी की नीतियों और विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मंडल अध्यक्ष देवेश पांडेय ने कहा कि नई कार्यकारिणी के गठन से मिश्रिख नैमिष मंडल में भाजपा का संगठन और मजबूत होगा। सभी नवनियुक्त पदाधिकारी पार्टी के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कटिबद्ध हैं। नवनियुक्त महामंत्री शुभम दीक्षित ने अपनी नियुक्ति पर पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं इस दायित्व को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाऊंगा । मिश्रित नैमिषारण्य की पावन भूमि पर भाजपा के विचारों को और सशक्त करने के लिए हम सभी मिलकर कार्य करेंगे। यह विस्तार स्थानीय कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार करने वाला सिद्ध हुआ है, और मिश्रिख नैमिष मंडल में भाजपा की गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद है। सर्वप्रथम अपने नेतृत्व व जनप्रतिनिधियों से मिलकर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे नैमिष के विकास कार्य में स्थानीय लोगों की भूमि का मुआवजा बढ़ाने के लिए भी कार्य करेंगे साथ ही नैमिष तीर्थ का विकास कार्य में तीर्थ की प्राचीनता बनी रहे इस पर भी कार्य करेंगे।

बछरावां पुलिस ने 6 वारंटी को किया गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

रायबरेली/बछरावां थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपराध की रोकथाम वांक्षित वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत आज दिनांक 31 अगस्त 2025 को थाना बछरावां टीम द्वारा 6 नफर वारंटी को गिरफ्तार किया गया है। जिनके विरुद्ध थाना स्थानीय पर अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। चंद्रशेखर पुत्र राजारामनिवासी ग्राम भुजवनखेड़ा मजरे सराय उमर , राकेश पासी पुत्र सत्यनारायण निवासी ग्राम पश्चिम गांव , संत कुमार पुत्र बैजनाथ निवासी ग्राम सुनहरा मजरे कुंडौली, मुन्नू पुत्र बैजनाथ निवासी ग्राम सुनहरा मजरे कुंडौली , पिंटू यादव उर्फ आशीष यादव पुत्र रामेश्वर निवासी ग्राम ठकुराइन खेड़ा मजरे पस्तोर, राजेश पुत्र गुरु प्रसाद निवासी ग्राम सुल्तानपुर थाना बछरावां सभी निवासी हैं गिरफ्तार करने वाली टीम उप निरीक्षक सचिन शर्मा, उप निरीक्षक हरि मोहन सिंह, उप निरीक्षक विकास कुमार, उप निरीक्षक अभिजीत विश्वकर्मा, मु ? आ?राजेंद्र वर्मा आरक्षी अंकित राठौर, आरक्षी संत राज यादव, आरक्षी मनोज यादव, आरक्षी राजकमल, आरक्षी में सोलंकी 6 वारंटी को गिरफ्तार करने में मौजूद रहे।

प्राथमिक विद्यालय में हुई चोरी का पुलिस ने किया खुलासा,सामान बरामद

स्वतंत्र प्रभात

लालगंज (रायबरेली) सरेनी।कोतवाली क्षेत्र में बीते दिनों हुई चोरी की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। उच्च प्राथमिक विद्यालय से चोरी हुए रसोई गैस सिलेंडर व चावल बरामद करते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।इस कार्रवाई से क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता को लेकर चर्चा तेज हो गई है।मामला सरेनी क्षेत्र के एक उच्च प्राथमिक विद्यालय का है,जहां कुछ दिन पहले अज्ञात चोरों ने रसोई घर का ताला तोड़कर गैस सिलेंडर और चावल चोरी कर लिया था।विद्यालय प्रबंधन की शिकायत पर सरेनी कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए जांच शुरू की।पुलिस टीम ने आसपास के इलाकों में गहनता से पड़ताल की और मुखबिर की सूचना पर एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया।पूछताछ के दौरान युवक ने चोरी की वारदात कबूल कर ली।आरोपी कुलदीप कुमार पुत्र मुन्नी लाल निवासी ग्राम नेवाजीखेड़ा थाना सरेनी की निशानदेही पर चोरी गया गैस सिलेंडर और चावल बरामद कर लिया गया।पुलिस आरोपी से आगे की पूछताछ कर रही है ताकि यह पता चल सके कि घटना में कोई अन्य व्यक्ति शामिल था या नहीं।विद्यालय में हुई चोरी की घटना से ग्रामीणों में नाराजगी थी।लोगों का कहना था कि बच्चों के भोजन के लिए रखा गया सामान चुराना बेहद शर्मनाक और निंदनीय कृत्य है।चोरी के कारण विद्यालय में मिड-डे मील योजना प्रभावित हो रही थी और बच्चों को परेशानी झेलनी पड़ रही थी।सरेनी कोतवाली प्रभारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली है।ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय में चोरी की घटना का खुलासा होना पुलिस की बड़ी उपलब्धि है,जिससे आपराधिक घटनाओं पर लगाम लगेगी।इस पूरे मामले में पुलिस की तत्परता की सराहना की जा रही है।विद्यालय प्रबंधन ने भी संतोष जताते हुए कहा कि चोरी गए सामान की बरामदगी से बच्चों के भोजन की समस्या दूर हो गई है।

मंदिर में मनाई गई भव्य श्री राधा अष्टमी

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। चौक स्थित श्री जयनाथ जी मंदिर में श्री राधा अष्टमी के पावन अवसर पर "एक शाम श्री राधा रानी के नाम "कार्यक्रम आयोजित हुआ,सर्व प्रथम श्री राधा कृष्ण भगवान का वैदिक मंत्रोच्चारण कर आचार्य राजेश शुक्ल एवं पंडित कृष्ण शंकर शर्मा ने पूजा अर्चना की गई।

रविवार को आचार्य राजेश शुक्ल ने बताया कि चौक में श्री लाडली जू को प्राकट्य उत्सव में एक शाम श्री राधा रानी के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सर्व प्रथम आचार्य राजेश शुक्ल व कृष्ण शंकर शर्मा ने श्री राधारानी का वैदिक मंत्रों द्वारा पूजन कराया एवं सभी भक्तों द्वारा छप्पन भोग अर्पण किया गया। इस अवसर पर श्री राधा नाम का संकीर्तन एवं भव्य भण्डारे का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम में कमल कृष्ण मेहरोत्रा, अमित टंडन, सुबोध टंडन, पार्षद अनुराग मिश्रा,आशू टंडन, प्रद्युम्न कपूर, विनीत शंकर शर्मा, अंकुर दीक्षित,उत्तम कपूर, पार्षद सी बी सिंह, पार्षद मनीष रस्तोगी, अनुराग पांडेय, पंडित नीरज अवस्थी, दिनेश कुमार झिंगरन, अतुल मेहरोत्रा, प्रदीप कुमार वर्मा, संदीप टंडन, विशाल दीक्षित, पंकज वैश्य, हरी शंकर शर्मा, नकुल, सत्यम, प्रिन्स, अक्षय, हरिओम, हर्ष, सुमित, गोविंद, माधव, समर, सोहम, दीपांशु, सृजन, यश, राघव एवं सभी भक्तों ने सहभागिता की।

निजी अस्पताल में इलाज करा रहे मरीज

जानकीपुरम में डायरिया का प्रकोप जारी है, जिसमें दो मरीजों की मौत हो चुकी है। लोग सरकारी अस्पतालों के बजाय निजी अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं, जिससे स्वास्थ्य विभाग के पास कोई रिकॉर्ड नहीं है। इलाके...

जानकीपुरम में डायरिया से हालात नहीं आ रहे काबू निजी अस्पाताल में मरीजों के इलाज का रिकार्ड नहीं लखनऊ, वरिष्ठ संवाददाता। जानकीपुरम इलाके में डायरिया का प्रकोप अभी थमा नहीं है। दो मरीजों की मौत के बाद इलाके के लोग डरे हैं। यही वजह है कि लोग सरकारी के बजाए कई मरीज प्राइवेट अस्पताल व क्लीनिक में इलाज करा रहे हैं। जिसका ब्योरा व रिकार्ड स्वास्थ्य विभाग के पास नहीं है। जानकीपुरम सेक्टर-3 निवासी नरेश तिवारी का पूरा परिवार डायरिया की चपेट में हैं। नरेश ने बताया उनकी पत्नी विनीता व सांस कमला देवी भी डायरिया की चपेट में आ गई थी। सभी लोग निजी अस्पताल से अपना इलाज करवा रहे हैं। बताया उनके पड़ोसी सुखलाल यादव भी डायरिया की चपेट में हैं। लोगों ने बताया इलाके में पानी की आपूर्ति अभी तक ठीक नहीं है। बोतल बंद पानी खरीदकर पीना पड़ रहा है। इलाके में कूड़े को डंप किया जा रहा है। इससे बीमारी फैलने का खतरा और भी बढ़ गया है। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह का कहना है कि मरीजों का सर्वे कराया जा रहा है। लोगों को दवाएं व क्लोरीन की गोलियां बांटी जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

बारावफात जुलूस के लिए डीसीपी ने कि भौतिक निरीक्षण

कानपुर। दिनांक 31.08.2025 को पुलिस उपायुक्त सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह द्वारा बेकनगंज, चमनगंज एवं अनवरगंज थाना क्षेत्रों में दिनांक 05.09.2025 को आयोजित होने वाले जुलूस-ए-मोहम्मदी (बारावफात) के दृष्टिगत जुलूस मार्ग का भौतिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सहायक पुलिस आयुक्त श्रीमती स्वेता सिंह, प्रभारी निरीक्षक बेकनगंज तथा जमीयत उलमा-ए-हिंद के प्रतिनिधि (जुलूस संयोजक) भी उपस्थित रहे। जुलूस के मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की गई। पुलिस उपायुक्त सेंट्रल द्वारा जुलूस मार्ग की गूगल मैपिंग (भू-स्थान निर्धारण) कराए जाने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

ओम प्रकाश यादव बर्डपुर ब्लाक के नए बीडीओ बनाए गए

सिद्धार्थनगर। प्रशासनिक फेरबदल के तहत बर्डपुर के खंड विकास अधिकारी विजय सिंह को बर्डपुर ब्लॉक से स्थानांतरित कर दिया गया है। उनकी जगह खुनियांव के बीडीओ ओम प्रकाश यादव को बर्डपुर का नया खंड विकास अधिकारी नियुक्त किया गया है। यह जानकारी जिला विकास अधिकारी सतीश सिंह ने दी है।

चारों ने परिवार के सदस्यों को बंधक बनाकर, कमरों का ताला तोड़कर आभूषण तथा नगदी उठा ले गए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
स्वतंत्र प्रभात
www.swatantraprabhat.com
जो लिखेगा, वही टिकेगा
ब्रेकिंग न्यूज़

सिद्धार्थनगर। ढेबरुआ थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे के किनारे दुधवनिया में शनिवार रात अतहर आलम तथा मजहर आलम के मकान के पीछे के चैनल को तोड़कर चोरों ने घर के अंदर घुस कर दूसरी मंजिल पर चढ़कर परिवार के सदस्यों को बंधक बनाकर कमरों का ताला तोड़कर करीब दो लाख रुपए के कीमत का आभूषण तथा एक लाख बाइस हजार रुपए नकदी आलमारी तथा बॉक्स ताला तोड़कर चोर उठा ले गए। रविवार की सुबह गांव में रह रहे भाई को फोन करके बुलाया गया और परिवारजनों ने आपबीती सुनाई। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जानकारी ली। उधर चोरों ने बगल के गांव सेवरा में शनिवार की रात जगदीश के घर में घुसकर कर लूटपाट कर लाख रुपए से अधिक जेवरात उठा ले गए। इस संबध में थानाध्यक्ष गौरव सिंह का कहना है कि चोरी के मामलों की छानबीन की जा रही है शीघ्र ही घटना का पर्दाफाश हो जाएगा।

सिद्धार्थनगर में राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष का कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

सिद्धार्थनगर जिले में कार्यकर्ताओं के साथ संगठन समीक्षा बैठक करने पहुँचे मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय लोक दल के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व एम एल सी डॉ राम आशीष राय व विशिष्ट अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष व सदस्यता अभियान प्रभारी रजनीकांत मिश्र व आदित्य विक्रम सिंह। इस दौरान मुख्यालय के रायल ग्रीन पैलेस में मौजूद कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष सोमनाथ चौधरी के नेतृत्व में जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर जिले भर से पदाधिकारी व कार्यकर्ता मुख्यालय पहुँचे और अपने प्रदेश अध्यक्ष के निर्देशों को आत्मसात किया । वहीं कार्यकर्ताओं की समीक्षा बैठक करने के बाद प्रदेश अध्यक्ष डॉ राम आशीष राय ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि आगामी पंचायत चुनाव व विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं को प्रदर्शित किया गया कि अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़े जिससे कि पूर्वांचल में भी राष्ट्रीय लोक दल मजबूत हो।

चार दिन से लापता हुए युवक का बानगंगा नदी में मिला शव, मचा हड़कंप

● मुंबई के लिए घर से निकला युवक का शव चार दिन बाद बानगंगा नदी में मिला

मृतक राम सजीवन अविवाहित और दो भाई एक बहन में सबसे बड़ा था

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। घर से चार दिन पहले रोजी रोटी के लिए बाहर जाने की बात कहकर निकला युवक का शव रविवार की सुबह ग्राम बरैनिया के पास बानगंगा नदी में उतराता हुआ मिला।पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शोहरतगढ़ थानाक्षेत्र के ग्राम गनेशपुर निवासी रामसजीवन पुत्र जग्गू 18 वर्ष चार दिन पहले घर से यह कहकर निकला था कि रोजी रोटी के लिए मैं मुम्बई जा रहा हूं। एक दिन बाद जब पिता जग्गू को बेटे की कोई खबर नहीं आई तब वह काफी चिंतित हो गये। मुम्बई में रह रहे आस-पास के मित्र व रिस्तेदारों से अपने बेटे के बारे में जानकारी ली तो सभी ने कहा कि हम लोगों ने उसे नहीं देखा है। यह सुनते ही पिता व माता काफी चिंतित हो गये। परिवार वाले उसकी तलाश में जुट गये थे।

रविवार की सुबह शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र ग्राम बरैनिया के पास बानगंगा नदी में एक युवक का शव तैरता हुआ दिखाई दिया। गांव वालों की भीड़ इकठ्ठा हो गई।

घटना की सूचना पर थाना प्रभारी बिंदेश्वरी मणि त्रिपाठी घटना स्थल पर पहुंच कर शव को नदी से बाहर निकलवाया और उसकी पहचान कराने लगे। शव की पहचान शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र ग्राम गनेशपुर निवासी रामसजीवन कन्नौजिया के रूप में हुई। वह अविवाहित और दो भाई व एक बहन में सबसे बड़ा था। बेटे का शव देख पिता जग्गू, माता रीता व बाबा फेरई कन्नौजिया आदि का रो रोकर बुरा हाल हो रहा है। इस संबध में प्रभारी निरीक्षक बिंदेश्वरी मणि त्रिपाठी का कहना है कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। और मामले की जांच की जा रही है।

क्राइम

ऑपरेशन महाकाल 2.0 की समीक्षा एवं आगामी पर्वो को लेकर सुरक्षा बैठक

कानपुर। दिनांक 31 अगस्त 2025 को पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल श्रवण कुमार सिंह द्वारा सेन्ट्रल जोन कार्यालय में "ऑपरेशन महाकाल 2.0" के तहत एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान महोदय द्वारा ऑपरेशन महाकाल 2.0 की प्रगति की समीक्षा की गई एवं अपराध नियंत्रण, अपराधियों पर प्रभावी निगरानी तथा जनसुरक्षा की दिशा में किए जा रहे कार्यो की विस्तार से चर्चा की गई। संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त, आगामी पर्व गणेश चतुर्दशी एवं बारावफात के दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों के संबंध में भी चर्चा की गई। महोदय ने संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान, भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन, एवं शांति समिति की बैठकें आयोजित करने हेतु निर्देश दिए। इस महत्वपूर्ण बैठक में अपर पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल तथा सेन्ट्रल जोन के समस्त सहायक पुलिस आयुक्त एवं समस्त थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

कानपुर में कांग्रेस दफ्तर के बाहर भाजपा नेताओं ने की नारेबाजी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। बिहार के दरभंगा में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां को अपशब्द बोलने को लेकर भाजपा कार्यकर्ता आक्रोशित है। आज भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मेस्टन रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय के बाहर नारेबाजी की और राहुल गांधी के द्वारा अभद्र शब्दों के प्रयोग को लेकर कांग्रेस के विरुद्ध नारे लगाए। अपर पुलिस उपायुक्त अंजलि विश्वकर्मा ने पत्रकारों को बताया कि आज दिनांक 31.08.2025 को थाना कोतवाली क्षेत्रान्तर्गत मेस्टन रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय पर लगभग 03:00 बजे भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारीगण पहुंचे। उक्त अवसर पर उन्होंने नारेबाजी की।स्थल पर सुरक्षा की दृष्टि से बैरिकेडिंग की गई थी तथा पर्याप्त पुलिस बल की ड्यूटी लगाई गई थी।

उन्होंने बताया कि कांग्रेस कार्यालय के सामने भी पुलिस बल तैनात रहा। इस दौरान कोई भी व्यक्ति कांग्रेस कार्यालय के भीतर नहीं गया। घटना में किसी प्रकार की चोटिल होने की सूचना प्राप्त नहीं हुई तथा आमने-सामने का कोई विवाद भी नहीं हुआ। उक्त कार्यवाही के पश्चात सभी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी वहाँ से चले गए और वर्तमान में स्थल पर पूर्णतः शांति एवं कानून-व्यवस्था कायम है। इस घटना को देखते हुए कांग्रेस कार्यालय के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है और बैरीकेडिंग की गई है ताकि फिर से कोई इस तरह की या अन्य घटना न हो सके। पुलिस को पूरी मुस्तैदी बरतनें के निर्देश दिए गए हैं।

सिद्धार्थनगर में लेखपाल संघ की ओर से सम्मान समारोह आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ जनपद शाखा सिद्धार्थनगर के द्वारा पूर्व में लेखपाल संघ के बर्खास्त जिलाध्यक्ष अजय कुमार गुप्त को प्रमुख सचिव राजस्व द्वारा सेवा में पुनः बहाल करने के उपलक्ष्य में एक सम्मान समारोह एवं समरसता भोज का आयोजन रविवार को शिवगंगा होटल करौंदा मसिना में किया गया। जिसके मुख्य अतिथि शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी को कर्मचारियों के प्रति किए गए सराहनीय योगदान के लिए एक स्वर में प्रशंसा करते हुए सम्मानित किया गया।

इस दौरान अनिल सिंह, शैलेंद्र गुप्ता, अवधेश यादव, राजेश कुमार श्रीवास्तव, प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, राम समुझ, इम्तियाज अहमद , विवेक रंजन, शैलेंद्र प्रताप सिंह, प्रमोद कुमार, अंकित चौधरी, महेंद्र यादव, देवेंद्र कुमार, पंकज सिंह, प्रमोद चौधरी विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।इस कार्यक्रम के शुभ अवसर पर लेखपाल संघ सिद्धार्थनगर के द्वारा कर्मचारियों के हित में सराहनीय योगदान देने के लिए शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी को पुष्प गुच्छ एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया तथा अपना संरक्षक घोषित किया गया। विधायक के द्वारा भी भविष्य में लेखपालों के प्रति हो रहे अन्याय की लड़ाई को लड़ने का आश्वासन दिया गया।

इस अवसर जनपद के अन्य सम्मानित संगठनों के पदाधिकारियों को भी माल्यार्पण करके एवं अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों के द्वारा भविष्य में पुनः एकजुट होकर शिक्षक-कर्मचारियों के अन्याय के विरुद्ध लड़ने के संकल्प को दोहराया गया।अंत में लेखपाल संघ सिद्धार्थनगर के जिलाध्यक्ष अजय कुमार गुप्त के द्वारा सम्मान समारोह में आए हुए समस्त पदाधिकारियों के प्रति आभार प्रकट किया गया।

एडीजी आलोक की नेतृत्व कुशलता से कानपुर जोन में पस्त माफिया अपराधियों के हौसले- कई गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। यहां आठ जिलों कानपुर देहात, इटावा, औरैया, कन्नौज, फतेहगढ़, जालौन, ललितपुर और झांसी के अधिकार क्षेत्र वाली कानपुर जोन अपराधियों के खिलाफ कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में हर दृष्टिकोण से अव्वल चल रही है। मामला चाहे घटनाओं के सटीक खुलासे और अपराधियों की गिरफ्तारी का हो या फिर जन समस्याओं के निस्तारण से संबंधित आईजीआरएस का। अवगत कराते चलें कि आजकल एडीजी के रूप में कानपुर जोन की कमान योगी सरकार की मंशा के अनुरूप अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और पीड़ितों की सहायता में भी सदैव अव्वल राष्ट्रपति तक के गोल्ड और प्लेटिनम समेत सभी तरह के मेडलों और पुरस्कारों के रुप में अनेक दुर्लभ उपलब्धियों के प्रसंसनीय धारक नोएडा के पहले सफल और सर्वोत्तम पुलिस कमिश्नर भी रहे भारत के कर्तव्यनिष्ठ और इमानदार आईपीएस अधिकारियों में से एक वरिष्ठ आई पी एस आलोक सिंह के हाथ में है।

सराहनीय और अनुकरणीय कार्यशैली वाले व्यवहार कुशलता के भी धनी, शिवत्व स्वभाव के भी माने जाने वाले सुप्रसिद्ध वरिष्ठ आईपीएस एडीजी आलोक सिंह का अबतक का जुझारू इतिहास यह साबित करता है कि उनकी कर्तव्य के प्रति प्रगाढ़ निष्ठा हर छोटी से छोटी घटना को भी बहुत गम्भीरता से लेकर पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाही और पीड़ितों की सहायता में भी सदैव अग्रणी रही है। उनके पास जो भी जाता है। वह निराश नहीं लौटता। जहां तक कानून व्यवस्था के क्षेत्र में सफलता का सवाल है। कानपुर जोन के भगवान और भाग्य यानी कम भरोसे रहने वाले जुझारू एडीजी आलोक सिंह की नेतृत्व कुशलता योगी सरकार की मंशा के अनुरूप जनहित में हर दृष्टिकोण से सफल ही साबित हुई है ,क्योंकि ईश्वर में आस्था रखने वाले लोगों को विश्वास है कि संसार संचालक ईश्वर समय आने पर अच्छे बुरे कर्मों का फल अवश्य ही देता है। और वह इसके लिए जिन्हें अपना माध्यम बनाता है।

आलोक सिंह जैसा वह जनहित में अपना कर्तव्य भी संपूर्ण ही निभाता है। कुल मिलाकर जनहित में विशुद्ध ईमानदारी का नाम आलोक है। दबाव में नहीं झुकने वाली निडरता का नाम भी आलोक है। पीड़ितों की हर संभव सहायता करने की मंशा का नाम आलोक है। अपराधियों के उनके कर्मों का फल देने की कर्तव्य निष्ठा का नाम आलोक है। वही आलोक जो प्रकाश का भी पर्याय है और वही प्रकाश जिसके दायरे में आने वाला कोई अपराधी बच नहीं पाता है। और ऐसा इसलिए भी क्योंकि जब जन्म धरती पर। मृत्यु धरती पर। और सारे अच्छे - बुरे कर्म धरती पर ,तो फिर इंसान उनका फल भी आसमान में नहीं धरती पर ही पाता हैं ,जिसके लिए ही परमेश्वर योगी ,मोदी ही नहीं आई पी एस आलोक सिंह भी बन जाता है।

शोहरतगढ़ में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित 350 मरीजों की हुई जांच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। राम कृष्ण मिशन सेवाश्रम,विवेकानन्द पॉलीक्लिनिक एवं आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ द्वारा शनिवार को सुनीता जायसवाल मेमोरियल हॉस्पिटल सुपर मल्टी स्पेशिलिटी एण्ड ट्रामा सेन्टर प्रा0लि0 शोहरतगढ़ में एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में हड्डी रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोगऔर निःसंतानता (आईवीएफ) से सम्बन्धित बीमारियों की जांच की गयी।

इस दौरान विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने करीब 350 से अधिक मरीजों का निःशुल्क परीक्षण और उपचार किया। शिविर में निःशुल्क परामर्श सहित दवाओं का वितरण सुबह 11 बजे से ही मरीजों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। शिविर में आये मरीजों को डॉ0 राहुल सिंह (आर्थो विशेषज्ञ),संतोष कुमार शुक्ला (आर्थो व गायनी विशेषज्ञ) व डॉ0 कनुप्रिया जिन्दल (स्त्री एवं प्रसूति विशेषज्ञ) और डॉ0 नौशीन खान (इनफर्टिलिटी व गायनी स्पेशलिस्ट) और डॉ0 इमरान नायकवाड़ी (हार्ट एवं आईसीयू स्पेशलिस्ट) ने परामर्श दिया। मरीजों को न केवल बीमारियों के बारें में जानकारी दी गयी, बल्कि उन्हें निःशुल्क दवायें भी उपलब्ध करायी गयी।

लोगों ने बताया कि इस तरह के शिविर से उन्हें बहुत फायदा होता है, क्योंकि वे महंगे इलाज का खर्च नहीं उठा पाते। इस शिविर का उद्देश्य दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों में रहने वाले उन लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना था, जो अक्सर चिकित्सा सेवाओं से वंचित रह जाते हैं। राम कृष्ण मिशन सेवाश्रम के प्रतिनिधियों ने बताया कि उनका लक्ष्य समाज के कमजोर वर्ग को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। उन्होंने भविष्य में भी इस तरह के शिविर आयोजित करने का आश्वासन दिया। डा0 सुनीता जायसवाल हास्पिटल के प्रबन्धक डॉ0 सुशान्त जायसवाल और संरक्षक पंकज कुमार पाण्डेय सहित स्टाफ ने भी इस नेक पहल के लिए राम कृष्ण मिशन का आभार व्यक्त किया।

आईएमए के तत्वावधान में सम्पन्न हुए इंडोर गेम्स

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, कानपुर शाखा एवं इंडियन डेंटल एसोसिएशन कानपुर के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय इंडोर गेम्स एवं स्विमिंग प्रतियोगिता का सफल आयोजन दिनांक 30 एवं 31 अगस्त, 2025 को गैंगेस क्लब, आर्यनगर, कानपुर में किया गया। इस आयोजन में IMA सदस्यों एवं उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस स्पोर्ट्स इवेंट में कैरम, शतरंज, टेबल टेनिस, बैडमिंटन तथा स्विमिंग जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित हुई। प्रतिभागियों ने पूरे जोश और खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं का आनंद लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ आईएमए कानपुर की अध्यक्ष डॉ नंदिनी रस्तोगी द्वारा किया गया तथा समापन अवसर के मुख्य अतिथि श्री विजय कपूर, आईएमए अध्यक्ष डॉ नंदिनी रस्तोगी, सचिव विकास मिश्रा, वित्त सचिव डॉ दीपक श्रीवास्तव, क्रीड़ा सचिव डॉ निशांत सक्सेना, संयुक्त क्रीड़ा सचिव डॉ मानव लूथरा ने विजेताओं को मेडल व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

IMA कानपुर हमेशा से अपने सदस्यों को स्वस्थ जीवनशैली, खेलकूद एवं आपसी सौहार्द के लिए प्रोत्साहित करता रहा है। दो दिवसीय इंडोर गेम्स एवं स्विमिंग प्रतियोगिता का यह आयोजन सभी के लिए यादगार अनुभव साबित हुआ। प्रतियोगिता में बैडमिंटन विजेता- प्रत्यूष त्रिपाठी, उपविजेता - सिद्धांत जौहरी, गर्ल्स विजेता - अनन्या बाजपेई,

उपविजेता- समायरा गुप्ता, 0-15 वर्ष- बॉयज डबल्स विजेता- देवांश गुप्ता, प्रत्यूष त्रिपाठी,

उपविजेता- वानी जे, आदित्य, 0-15 वर्ष- गर्ल्स डबल्स विजेता- अंबिका परवानी, दिशा श्रीवास्तव,

16-25 वर्ष- गर्ल्स, विजेता - पूर्वी गुप्ता

उपविजेता - सुविज्ञा त्रिपाठी, 16-25 वर्ष- गर्ल्स डबल्स, विजेता - अनुष्का , अनन्या, उपविजेता - सुविज्ञा, पूर्वी, पुरुष एकल विजेता - डॉ. मानव,

उपविजेता - डॉ. दक्ष, महिला एकल विजेता - डॉ. वृंदा, उपविजेता- डॉ. राशि, पुरुष डबल्स विजेता - डॉ. मानव, डॉ. अथर्व, उपविजेता - डॉ. प्रमोद, डॉ. संकष, महिला डबल्स विजेता- डॉ. रिचा, डॉ वृंदा,

उपविजेता - डॉ. कोमल, डॉ राशि, मिक्स डबल्स, **विनर** - डॉ बिपिन, डॉ वृंदा, उपविजेता- डॉ मानव, डॉ नीति, रहे।

ब्राम्हण समाज हिन्दू हितो के लिये कार्य करता रहेगा - अरुण देवपाठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। पचपेड़वा विकासखण्ड अन्तर्गत आजमडीह गांव में शिवमन्दिर पर 31 अगस्त को ब्राम्हण समाज की ससाहिक बैठक की गई। बैठक में विभिन्न विन्दुओ पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को सम्बोधित करते हुए समिति के संयोजक अरुणदेव पाठक ने कहा कि ब्राम्हण समाज अपने संस्कार और ज्ञान से हिन्दु समाज को संगठित करने का काम कर रहा है और पुराने रुढ़ियों को दूर करते हुये काफी मजबूती से उभर रहा है। बैठक में भारी संख्या में उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त करते हुए श्री पाठक ने कहा कि देश व समाज के लिये हर युग ब्राम्हण ही अपना प्राण न्यौछावर करने में पीछे नहीं रहा है।

वहीं सर्वेश पाण्डेय ने कहा कि हम 90 और 95 प्रतिशत अंक लाकर सरकारी नौकरियों में पीछे रह जाते है और कुछ लोग 50 प्रतिशत अंक पाने के वाद लाभ के पात्र वन जाते है इससे प्रतिभा और योग्यता पीछे छूट जाती है राजीव मिश्रा एडवोकेड वरिष्ठ पत्रकार ने संगठन की मजबूती पर जोर देते हुये कहा कि ब्राम्हणों का चरित्र सर्वोत्तम रहा इसलिये ब्राम्हणों की चरित वान तथा संस्कार वान होना आवश्यक है। सभा को सम्बोधित करते हुए गिरिजेश पाण्डेय ने कहा कि ब्राम्हण समाज गावों में समाज की गणना करेगा और ब्राम्हण व हिन्दू समाज के हितों के निरन्तर कार्य करता रहेगा। गिरिजेश पाण्डेय ने बैठक में आये सभी सदस्यों की सराहना की। बैठक को अमित तिवारी एडवोकेट व मोहन शर्मा ने भी सम्बोधित किया वैठक में सतीश चन्द्र (पप्पू मिश्रा) मुन्ना तिवारी विद्या तिवारी राम सागर पाठक जनक कुंवर.रामधीरज तिवारी धाने महराज, शारदा मिश्रा निरंजन पाण्डेय सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित हुए।

पति हैदराबाद से कमाकर रुपये भेजता रहा, पत्नी आशिक के साथ मौज उड़ाती रही; ऐसे हुआ इस धोखेबाजी का द एंड

● उत्तरप्रदेश के गोरखपुर से पति-पत्नी के रिश्ते में धोखे का एक मामला सामने आया है, जहां पति के बाहर कमाने के लिए जाने के दौरान पत्नी ने गांव के एक युवक के साथ अवैध संबंध बना लिए। जब पति ने रंगे हाथों पकड़ा को महिला पंचायत के सामने प्रेमी के साथ रहने की बात पर अड़ गई।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर- हैदराबाद कमाने गया गांव का एक व्यक्ति जब लौटा तो, सामने जो दिखा, उसे देखकर पैरों के नीचे की जमीन खिसक गई। जिस पत्नी के लिए दिन रात मेहनत करके घर पैसे भेजता था, वही पत्नी घर में अपने प्रेमी के साथ आपत्तिजनक हालत में मिली। यह देखकर व्यक्ति के होश उड़ गए। हद तो तब हो गई जब पत्नी ने कहा कि वह पति के साथ नहीं अपने प्रेमी के साथ रहना चाहती है।

जानकारी के अनुसार घटना गोरखपुर जिले के पिपराइच गांव की है। यहां का एक युवक मेहनत मजदूरी करने के लिए हैदराबाद गया था, यहां गांव में उसकी पत्नी रहती थी। युवक हैदराबाद से पैसे कमाकर भेजता था। पत्नी पर शक होने पर युवक हैदराबाद से बिना बताए घर आ गया। जब वह कमरे में घुसा तो उसने अपनी पत्नी को प्रेमी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पाया।

यूपी में आकाशीय बिजली ने बरपाया कहर, 5 लोगों की गई जान, बकरियां का मौत से बिलख पड़ा किसान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में भारी बारिश और आकाशीय बिजली ने भारी तबाही मचाई है. रायबरेली, एटा, बदायूं, और महोबा में अलग-अलग घटनाओं में कई लोगों और पशुओं की मौत हुई.

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में भारी बारिश और आकाशीय बिजली ने भारी तबाही मचाई है. रायबरेली, एटा, बदायूं, और महोबा में अलग-अलग घटनाओं में कई लोगों और पशुओं की मौत हुई. जबकि भारी नुकसान की भी खबरें सामने आई हैं. प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत और जांच शुरू कर दी है।

रायबरेली- आकाशीय बिजली से युवक की मौत

रायबरेली के डीह थाना क्षेत्र के पोठई गांव में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. वहीं, किसान डिग्री कॉलेज में बिजली गिरने का लाइव फुटेज सीसीटीवी में कैद हुआ. इस दौरान बारिश में खेल रहे दर्जनों बच्चे बाल-बाल बचे. लेकिन बिजली गिरते ही मैदान में भगदड़ मच गई. खिलाड़ी सुरक्षित स्थानों की ओर भागे।

एटा में बारिश से कच्चा मकान ढहा

एटा के सकीट थाना क्षेत्र के मोहल्ला गंज में लगातार बारिश के कारण गरीब मजदूर शानू पुत्र हबीब का कच्चा मकान ढह गया. जिससे हजारों रुपये का घरेलू सामान मलबे में दब गया. अचानक हुए इस हादसे से परिवार बेघर होकर सड़क पर आ गया. महिलाओं और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है. स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को मदद की मांग की है. वहीं, मलावन थाना क्षेत्र के नगला भूपाल गांव में आकाशीय बिजली गिरने से किसान धनेश पुत्र लज्जाराम की मौके पर मौत हो गई. घटना से गांव में हड़कंप मच गया.परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है.थाना प्रभारी रोहित राठी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।